मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 8 अंक 11
गुरुवार, 17 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

राज्यों को दुर्लभतम मामलों में जमीन के बदले जमीन की नीतियां बनानी चाहिए : शीर्ष अदालत

नई दिल्ली, 16 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने राज्यों को उनकी जमीन के बदले जमीन संबंधी नीतियों के प्रति आगाह करते हुए कहा है कि ऐसी योजनाएं दुर्लभतम मामलों में ही लागू की जानी चाहिए।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने आगे कहा कि राज्य सरकार के भूमि अधिग्रहण का विरोध करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत आजीविका के अधिकार से वंचित करने की दलील टिकने वाली नहीं है। पीठ ने हरियाणा सरकार की ओर से दायर मुकदमे को सभी राज्यों के लिए आँखें खोलने वाला बताया। पीठ हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के संपदा अधिकारी और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के 2016 के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें विस्थापितों के पक्ष में निचली अदालत के आदेशों को बरकरार रखा गया था।

न्यायमूर्ति पारदीवाला ने 14 जुलाई को 88 पृष्ठों के अपने फैसले में कहा, हमने स्पष्ट कर दिया है कि भूमि अधिग्रहण के मामलों में संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत आजीविका के अधिकार से वंचित किये जाने का

तर्क टिकने योग्य नहीं है। उच्च न्यायालय ने उन विस्थापित भूस्वामियों को 2016 की पुनर्वास नीति के तहत लाभ पाने का हकदार माना था, जिनकी भूमि हरियाणा के अधिकारियों ने सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए अधिगृहीत की थी, न कि 1992 की अधिक रियायती योजना के तहत। यह फैसला हरियाणा की भूमि अधिग्रहण संबंधी उस बेहद असामान्य नीति की आलोचना करता है, जिसके तहत यदि सरकार सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए भूमि अधिग्रहण करती है, तो वह विस्थापितों को वैकल्पिक भूमि के भूखंड प्रदान करती है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि केवल दुर्लभतम मामलों में ही सरकार विस्थापित व्यक्तियों को मुआवजा देने के अलावा उनके पुनर्वास के लिए कोई योजना शुरू करने पर विचार कर सकती है। पीठ ने कहा, कभी-कभी राज्य सरकार अपनी प्रजा को खुश करने के लिए अनावश्यक योजनाएं पेश करती है और अंततः मुश्किलों में फंस जाती है। इससे अनावश्यक रूप से कई मुकदमेबाजी को बढ़ावा मिलता है। इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण यह है। पीठ ने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि सभी मामलों में मुआवजे के अलावा, संपत्ति मालिकों का पुनर्वास भी जरूरी हो।

झारखंड के बोकारो में मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर, सीआरपीएफ का एक जवान भी हुआ शहीद

बोकारो, 16 जुलाई। झारखंड के बोकारो जिले में बुधवार सुबह सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में दो नक्सलियों को ढेर कर दिया और इस दौरान केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की भी जान चली गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गोमिया थाना क्षेत्र के बिरहोर डेरा जंगल में सुबह करीब साढ़े पांच बजे सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। बोकारो जोन के पुलिस महानिरीक्षक क्रांति कुमार गडीदेसी ने बताया, सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ के दौरान दो नक्सलियों को मार गिराया। सीपीआरएफ की कोबरा बटालियन के एक जवान की भी मुठभेड़ में जान चली गई। बोकारो के पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने बताया कि मुठभेड़ के बाद इलाके में तलाश अभियान जारी है।

इससे पहले (21 अप्रैल, 2025) को बोकारो ज़िले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और झारखंड पुलिस की संयुक्त टीम के साथ हुई मुठभेड़ में प्रतिबंधित समूह के एक शीर्ष नेता समेत आठ संदिग्ध माओवादी मारे गए थे, जिन पर 1 करोड़ का इनाम था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने '' पर लिखा था नक्सलवाद के खात्मे की हमारी मुहिम निरंतर जारी है। आज सुरक्षा बलों को नक्सलवाद के खात्मे के लिए चल रहे अभियान में एक और बड़ी कामयाबी मिली। झारखंड के बोकारो में लुगु हिल्स में हुई मुठभेड़ में 8 माओवादी मारे गए, जिनमें एक शीर्ष नक्सली नेता विवेक, जिस पर 1 करोड़ का इनाम था, और दो अन्य कुख्यात नक्सली शामिल हैं। अभियान जारी है। हमारे सुरक्षा बलों की सराहना करें।

सीआरपीएफ के एक अधिकारी ने बताया कि सीआरपीएफ की 209 कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन (कोबरा) के कमांडो ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर अभियान चलाया, जिसमें आठ नक्सली मारे गए और एक एके सीरीज राइफल, तीन इंसास राइफल, एक सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर), आठ देशी बंदूकें और एक पिस्तौल जब्त की गई।

पिछले 18 महीनों में तेलंगाना में 3.28 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया : रेवंत रेड्डी

तेलंगाना, 16 जुलाई। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार बनने के बाद पिछले 18 महीनों में राज्य ने लगभग 3.28 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है।

रेड्डी ने हैदराबाद की जीनोम वैली में आईसीएचओआर बायोलॉजिक्स के नए संयंत्र की आधारशिला रखने के अवसर पर कहा कि राज्य सरकार ने चीन प्लस वन रणनीति को ध्यान में रखते हुए तेलंगाना को एक आकर्षक गंतव्य बनाने का लक्ष्य रखा हुआ है। इस रणनीति के तहत चीन से बाहर अपने विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने वाली वैश्विक

कंपनियों के लिए तेलंगाना को एक मजबूत विकल्प के तौर पर पेश करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ज्यादातर निवेशक भारत की तरफ देख रहे हैं। मैं तेलंगाना, हैदराबाद को चीन प्लस वन के लिए वैकल्पिक बनाना चाहता हूं। रेड्डी ने दवा, इलेक्ट्रिक वाहन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निवेश करने के इच्छुक निवेशकों को तेलंगाना में पूरा समर्थन, प्रोत्साहन और त्वरित सरकारी मंजूरी का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि नौ दिसंबर, 2025 को राज्य सरकार की दूसरी वर्षगांठ के मौके पर तेलंगाना राइजिंग 2047 दृष्टिपत्र जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य वर्ष 2035 तक तेलंगाना को एक लाख करोड़ डॉलर और 2047 तक तीन लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार नीतियों में सुधार करके निवेश आकर्षित करने का प्रयास कर रही है।

सीबीआई ने रिश्वतखोरी मामले में एनएचएआई के दो उप प्रबंधकों समेत पांच को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, 16 जुलाई। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एनएचएआई के विवाद समाधान बोर्ड के एक सदस्य और राजमार्ग प्राधिकरण के दो उप प्रबंधकों को निजी अवसंरचना कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए कथित तौर पर रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

एजेंसी ने झारखंड में एक राजमार्ग परियोजना के संबंध में 10 लाख रुपये से अधिक की रिश्वत लेने के मामले में विवाद समाधान बोर्ड सदस्य के रूप में तैनात पूर्व इंजीनियर राकेश भसीन

और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के उप प्रबंधक स्वतंत्र गौरव और विश्वजीत सिंह को गिरफ्तार किया है।

सीबीआई ने इस मामले में भारत वाणिज्य ईस्टर्न प्राइवेट लिमिटेड (बीवीईपीएल) के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) मनीष मिश्रा और उनके कर्मचारी उमेश माथुर को भी गिरफ्तार किया है।

आरोप है कि दिनेशचंद्र आर अग्रवाल इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड को झारखंड में भोगू और सांखा के बीच एक राजमार्ग को चार लेन का बनाने के लिए एनएचएआई का 818 करोड़ रुपये का अनुबंध मिला था।

कंपनी ने इस परियोजना को 769.36 करोड़ रुपये की लागत से एक निजी कंपनी बीवीईपीएल को दे दिया। सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि कथित कदाचार का मामला गुणवत्ता ऑडिट टीम से संबंधित है, जिसमें भसीन, गौरव और सिंह शामिल थे।

टीम ने 26 जून से 30 जून, 2025 के बीच परियोजना की गुणवत्ता का आकलन किया था। आरोप है कि बीवीईपीएल के सीओओ मिश्रा ने अपने कर्मचारी माथुर को भसीन को पांच लाख रुपये और सिंह को एक लाख रुपये देने का निर्देश दिया था ताकि अनुकूल ऑडिट रिपोर्ट प्राप्त की जा सके। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने एक अभियान चलाया जिसके दौरान भसीन, गौरव, सिंह, माथुर और मिश्रा को गिरफ्तार किया गया।

कच्ची दीवार गिरने से दो सगे भाइयों की मौत

वाराणसी। चोलापुर थाना अंतर्गत भैठौली गांव में बुधवार सुबह एक हृदयविदारक हादसे ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया। धान की नर्सरी लगाने के लिए खेत जा रहे दो सगे भाइयों की उस समय मौत हो गई जब एक कच्चे मकान की दीवार अचानक भरभराकर उन पर गिर गई। मलबे में दबने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान आदित्य गौतम (18 वर्ष) और अंकित गौतम (16 वर्ष) के रूप में हुई है, जो संतोष कुमार के पुत्र थे। सूचना मिलते ही चोलापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल परिवार की ओर से किसी के खिलाफ कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। आदित्य इंटरमीडिएट का छात्र था और अंकित हाईस्कूल की पढ़ाई कर रहा था। दोनों मेहनती और अनुशासित बालक माने जाते थे। सुबह खेत के लिए निकलना उनके रोजमर्रा के कामों में शामिल था, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि यह उनकी आखिरी सुबह होगी। परिवार में चार भाई और एक बहन हैं आदित्य सबसे बड़ा था। अंकित उससे छोटा और दो अन्य छोटे भाई मोनू (9) व अंश (6) और एक बहन आनंदी है। पिता संतोष कुमार नदेसर डाकघर में पोस्टमैन के पद पर कार्यरत हैं। घटना के बाद मां नीलम देवी और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिवार को तत्काल राहत सहायता देने का

निर्देश दिया। जिलाधिकारी को आपदा राहत मद से दोनों मृतकों के परिवार को कुल 8 लाख रुपये की सहायता राशि तत्काल देने के आदेश जारी किए गए हैं।

दुर्घटनास्थल पर पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि जिस मकान की दीवार गिरी, वह बेहद जर्जर हालत में थी। बारिश के चलते मिट्टी कमजोर हो गई थी, लेकिन इसके बावजूद मकान को गिराया नहीं गया। यह प्रशासनिक लापरवाही और जनसुरक्षा के प्रति उदासीनता का संकेत है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि ऐसे पुराने और खतरनाक मकानों की सूची बनाकर उन्हें गिराने की पहल की जाए, जिससे भविष्य में ऐसे हादसे टाले जा सकें। वाराणसी जैसे भीड़भाड़ वाले जिलों में सैकड़ों जर्जर कच्चे-पक्के मकान आज भी गांव-शहरों की गलियों में खड़े हैं। मानसून के इस सीजन में ऐसे निर्माण एक बड़ा खतरा हैं। यह हादसा प्रशासन के लिए एक चेतावनी भी है कि अब और विलंब न करते हुए जर्जर भवनों को चिन्हित कर सुरक्षा के उपाय तत्काल किए जाएं। संवेदना ही नहीं, ज़िम्मेदारी भी जरूरी है। भैठौली के दो मासूम भाई अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी मौत उन सैकड़ों परिवारों को एक पीड़ा भरा संदेश दे गई है।

भाजपा के भ्रष्टचार के कारण बर्बाद हो रही है सार्वजनिक व्यवस्था : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 16 जुलाई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मानसून में हुए कुछ पुल हादसों तथा अन्य बड़ी दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भ्रष्टाचार के कारण बर्बाद होती सार्वजनिक व्यवस्था का दंश झेल रहे हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, मानसून आया और साथ ही आपके टैक्स के पैसे भी बहा ले गया, भाजपा के भ्रष्टाचार की गंदगी में। हर बार जब कोई पुल गिरता है, हर बार जब कोई

सड़क बह जाती है, हर बार जब कोई ट्रेन पटरी से उतरती है समझ लीजिए, ये सिर्फ. निर्माण की असफलता नहीं, ये आपकी जेब से एक संगठित लूट है।

उन्होंने कहा कि हर बार जब हादसे में किसी के प्रिय की जान जाती है और कोई ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जाता, तो वो दुर्घटना नहीं, हत्या होती है। उन्होंने हाल की कुछ प्रमुख दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए कहा, हर दिन, हर साल भारत के छोटे गांव से लेकर बड़े शहर तक लोग इस बर्बाद होती सार्वजनिक व्यवस्था का दंश झेल रहे हैं। उन्होंने कहा, अब सरकार से जवाब मांगने का वक्त आ गया है।

इनकी नाकामी की जवाबदेही तय करने का और उसके नतीजों की ज़िम्मेदारी लेने को मजबूर करने का समय है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

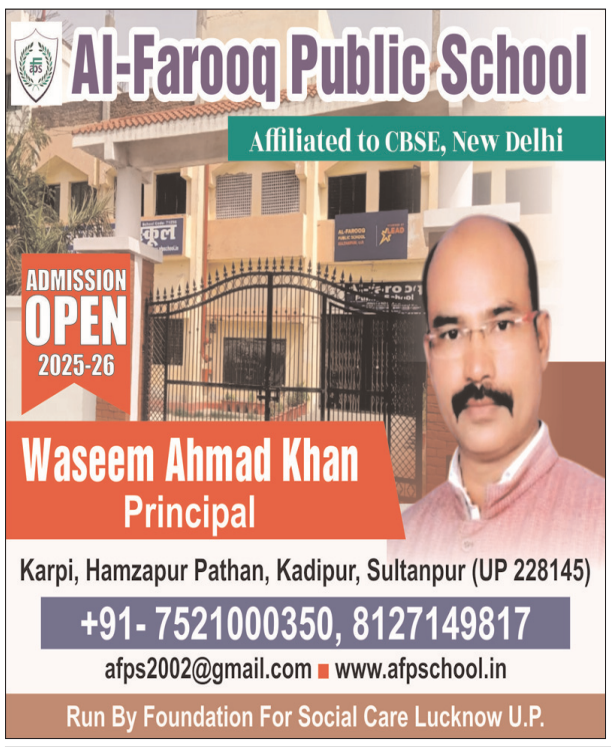

निरंकुश अभिव्यक्ति से जुड़े सुप्रीम फैसलों का स्वागत हो

-ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति की सुनवाई करते हुए समय-समय पर जो कहा, वह जहां संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है वहीं एक संतुलित एवं आदर्श राष्ट्र एवं समाज व्यवस्था का आधार भी है। सोशल मीडिया मंचों पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी और विध्वंसकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म-नियमन, वाणी संयम एवं विचार संयम की जरूरत बतायी है। धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हुई एवं यह याचिका दायर की गई। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने एक व्यक्ति द्वारा दायर इसी याचिका पर विचार करते हुए कहा कि समाज में विद्वेष, घृणा व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता, सौहार्द एवं सद्भावना के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ी इन जटिल होती स्थितियों को गंभीरता से लिया और अनेक धुंधलकों को साफ किया है। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से जुड़े अनेक मामलों के साथ-साथ ताजा मामले में जो फैसले किए हैं और इस दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उसके निहितार्थों को समझते हुए इन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के जुड़े फैसलों रूपी उजालों का स्वागत होना ही चाहिए।

आज सोशल मीडिया जैसे मंचों के बेजा इस्तेमाल की प्रवृति बढ़ रही है, फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब जैसे सोशल मंचों एवं टीवी चैनलों पर ऐसी सामग्री परोसी एवं प्रस्तुत की जा रही है, जो अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक, राष्ट्र-विरोधी एवं समुदाय विशेष के लोगों को आहत करने वाली होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इन सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, वे चरित्र-हनन और गाली-गलौच जैसी ओछी हरकतें करने के लिये उद्यत रहते हैं तथा उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक नीति अपनाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। एक प्रगतिशील, सभ्य एवं शालीन समाज में इस तरह की हिंसा, अश्लीलता, नफरत और भ्रामक सूचनाओं की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन विडम्बना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानून के चलते सरकार इन अराजक स्थितियों पर काबू नहीं कर पा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगाता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है, जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। आज सोशल मीडिया, समाचार चैनलों और राजनीतिक मंचों पर जिस प्रकार की उग्र भाषा, झूठे आरोप, धार्मिक विद्वेष और भावनात्मक उकसावे देखे जा रहे हैं, वे न केवल समाज को विभाजित कर रहे हैं, बल्कि संविधान की संवाद की गरिमा को भी ठेस पहुँचा रहे हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रहा है। दरअसल, अदालत का मानना था कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) नागरिकों को ह्यअभिव्यक्ति की स्वतंत्रताह्व देता है, इसके तहत प्रत्येक नागरिक को विचार, वाणी, लेखन, चित्रण आदि के माध्यम से स्वतंत्र रूप से अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन आज इस अधिकार के दुरुपयोग की घटनाएं जिस प्रकार सामने आ रही हैं, यह चिंता का विषय बन चुकी है। इसलिए आज जरूरत है विचार संयम और वाणी संयम की। इसीलिये अनुच्छेद 19(2) इसके कुछ ह्यउचित प्रतिबंधह्व भी निर्धारित करता है जैसे भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की सुरक्षा, राज्य की अखंडता, लोक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता, अश्लील या अनैतिक भाषण, अदालत की अवमानना, मानहानि, अपराध के लिए उकसावा एवं अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों से जुड़ी अराजकता पर प्रतिबंध, इन प्रतिबंधों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्वतंत्रता का उपयोग अनुशासन और राष्ट्रीय हितों की मर्यादा में हो। संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है।

ताजा मामलों में कई राज्यों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नियमन को लेकर सरकारी कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कई जगह विचारों की अभिव्यक्ति व कार्टून आदि बनाने को राजनीतिक दुराग्रह बताते हुए लोगों को गिरफ्तार तक किया गया है। जिसे राजनीतिक दलों द्वारा बदले की भावना से की कार्रवाई बताया जाता रहा है। आरोप लगाया जाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल की विचारधारा के अनुरूप अमर्यादित एवं अशालीन अभिव्यक्ति के बावजूद कोई एक्शन नहीं लिया जाता। लेकिन दूसरे राज्य में अन्य राजनीतिक दल की सरकार में वही अभिव्यक्ति अपराध बन जाती है। कोई नहीं चाहता कि आम नागरिक की अभिव्यक्ति की आजादी को सरकार नियंत्रित करे। सही मायनों में लोगों को समझना चाहिए कि देश की एकता व अखंडता बनाये रखना मौलिक कर्तव्य ही है। अदालत ने इस बाबत सवाल भी किया कि नागरिक स्वयं को संयमित क्यों नहीं कर सकते? राजनीतिक दल, धार्मिक नेता या उग्रवादी कार्यकर्ता क्यों समाज में विषवमन करते हुए विवादास्पद एवं वर्ग-धर्म विशेष के लोगों की भावनाओं को आहत करने वाले कटु एवं कड़वे बयान देते हैं? कोर्ट का मानना था कि लोग तभी अभिव्यक्ति की आजादी का आनन्द ले सकते हैं जब वह संयमित ढंग से व्यक्त की जाए। शीर्ष अदालत की पीठ का मानना था कि नागरिकों के बीच भाईचारा होना चाहिए, तभी समाज में नफरत से मुकाबला किया जा सकता है। तभी हम गंगा-जमुनी सांझा संस्कृति के राष्ट्र एवं समाज का निर्माण कर सकते हैं।

आज के दौर में हमें विचार संयम और वाणी संयम को अपनी संस्कृति और लोकतंत्र की आधारशिला बनाना होगा। जैसाकि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि ह्यबोलने से पहले तीन बार सोचो, क्या यह सत्य है? क्या यह आवश्यक है? क्या यह दूसरों को आहत तो नहीं करेगा?ह्व संविधान हमें अधिकार देता है, लेकिन उसके साथ आत्मानुशासन और समाजहित की अपेक्षा भी करता है। यदि हम इसे समझ लें, तो हमारा लोकतंत्र और अधिक सशक्त और समरस बन सकता है। अभिव्यक्ति की आजादी लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन जब यह सीमा पार करती है तो देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को खतरा उत्पन्न होता है। सुप्रीम कोर्ट बार-बार यह संदेश दे रहा है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी और मर्यादा जुड़ी है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का भी मानना था कि ह्यदि आपके शब्द राष्ट्र को प्रेरित करने की बजाय भटकाने लगे, तो वह आजादी नहीं, अराजकता है।ह्व सोशल मीडिया आज एक ऐसा ही अस्त्र बन गया है जो जरा सी चूक से घातक साबित हो सकता है। वास्तव में हर नागरिक को इतना सचेत व जागरूक होना जरूरी है कि वह विभिन्न स्रोतों से आने वाली सामग्री से जुड़ी मंशा को समझ सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा था कि ह्यलोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मर्यादा टूटे तो वह विरोध नहीं, विघटनकारी गतिविधि बन जाती है।ह्व ऐसी ही विघटनकारी गतिविधियां सोशल मीडिया पर विनाशकारी स्वरूप लेती जा रही है। यह निर्विवाद सत्य है कि विभिन्न राजनीतिक दलों व संगठनों द्वारा सोशल मीडिया मंच का जमकर दुरुपयोग किया जाता रहा है। वहीं लोगों का कसूर यह है कि दल विशेष के एजेंडे वाली सामग्री को वे बिना पढ़े, दूसरे लोगों व समूहों में शेयर कर देते हैं। दरअसल, आम नागरिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि सोशल मीडिया पर उनका संयमित व्यवहार कैसा होना चाहिए? बहुत से लोगों को यह पता नहीं होता है कि सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही सामग्री की कितनी संवेदनशीलता है? कई लोग जाने-अनजाने में ऐसी सामग्री दूसरे व्यक्तियों व समूहों में शेयर कर देते हैं जो राष्ट्र एवं समाज विरोधी हो सकती है। दरअसल, वे उसकी मूल सामग्री को बनाने वाले के छिपे एजेंडे को नहीं भांप पाते। कभी-कभी भावावेश में लोग ऐसे कदम उठा देते हैं। जाहिर है, उच्छृंखल हुए बिना आजादी के उपयोग में ही नागरिक की भी भला है और समाज का भी।

गडकरी का नया फामूर्ला- कैसे बना सकते है कचरे से सोना

अशोक भाटिया

किसी समय कांग्रेस नेता राहुल गाँधी का एक वीडियो बहुत वायरल हो रहा था जिसमें वह कहते सुने जा रहे थे कि वे एक ऐसी मशीन लाऊंगा जिसमें एक तरफ आलू डालेंगे तो दूसरी तरफ सोना निकलेगा . अब पता नहीं वह बात हकीकत थी या मजाक . पर अब केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत का कचरा एक बड़ा मौका है। उन्होंने कहा कि अगर ठोस और तरल कचरे को उपयोगी चीजों में बदल दिया जाए तो यह 5 लाख करोड़ रुपये का कारोबार बन सकता है। मुंबई में टाइम्स ऑफ इंडिया सोशल इम्पैक्ट समिट में गडकरी ने कहा कि कचरे से ऊर्जा बनाकर देश में रोजगार बढ़ाया जा सकता है। इससे पर्यावरण को भी फायदा होगा इसके लिए गडकरी ने अपने क्षेत्र का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि कैसे कचरे से पैसा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'पिछले नौ सालों से मैं अपने क्षेत्र से ट्रीट किए हुए टॉयलेट के पानी को बेच रहा हूं, जिससे हर साल 300 करोड़ रुपये कमा रहा हूं।' उन्होंने मथुरा में चल रहे एक कचरा ट्रीटमेंट प्रोजेक्ट के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि वहां कचरे को ऑर्गेनिक तरीके से ट्रीट किया जाता है। इससे निकलने वाले कीचड़ को बायो-फ्लोकुलेंट्स में बदला जाता है। गडकरी ने बताया कि पहले यह गंदा पानी यमुना नदी में जाता था। अब इंडियन ऑयल रिफाइनरी इसे इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा, 'अगर हम इसे पूरे देश में लागू करें तो इसमें बहुत संभावनाएं हैं।'

गडकरी ने कहा कि हम सही तरीके से हम कचरे को धन में बदल सकते हैं, नौकरियां पैदा कर सकते हैं और पर्यावरण की समस्याओं को हल कर सकते हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि प्लास्टिक से ईंधन बनाया जा सकता है, सीवेज के पानी को इंडस्ट्रियल पानी में बदला जा सकता है और कचरे से ऐसी चीजें बनाई जा सकती हैं जिन्हें बेचा जा सके। उन्होंने बिजली बनाने के लिए बायोमास (जैविक कचरा) के इस्तेमाल पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पहले थर्मल पॉवर प्लांट कोयले से बिजली बनाते थे। अब एनटीपीसी और महाराष्ट्र सरकार बायोमास का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसे 'वाइट कोल' भी कहते हैं। उन्होंने बताया कि इससे बिजली बनाने में 7 रुपये प्रति यूनिट का खर्च आता है, लेकिन यह कोयले से ज्यादा साफ है।

गडकरी ने जमीन को फिर से उपजाऊ बनाने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'हमने 1.5 लाख हेक्टेयर जमीन को विकसित करने के लिए 5 करोड़ रुपये का निवेश किया है।' उन्होंने अनुसार भारत की 17 प्रतिशत जमीन बंजर है। उन्होंने सुझाव दिया कि बायोमास बनाने के लिए बांस के पेड़ लगाए जा सकते हैं। खनन क्षेत्रों के पास पेड़ लगाकर कार्बन क्रेडिट कमाया जा सकता है। कार्बन क्रेडिट यानी पर्यावरण को बचाने के लिए मिलने वाला इनाम।

मेरठ में भाजपा नेता धर्मपाल सिंह ने एक अनोखा बयान दिया था कि कचरे से बनेंगे कंचनह्व। धर्मपाल सिंह कूड़े से सोना बनाने की मशीन के बारे में ऐलान किया, और बताया कि यह मशीन जल्द ही मेरठ में तैयार की जाएगी। मंत्री का कहना था कि यह कदम स्वच्छ भारत मिशन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा, जिससे कचरे का सही तरीके से निस्तारण किया जा सकेगा और नई ऊर्जा और संसाधनों का निर्माण किया जा सकेगा। उन्होंने आगे कहा कि कचरा प्रबंधन के तहत यह मशीन कूड़े से सोना बनाने का काम करेगी, जिससे शहर को स्वच्छ रखने में मदद मिलेगी और साथ ही यह आर्थिक रूप से भी लाभकारी साबित होगा।

बताया जाता है कि ई-कचरे को 550 से 700 डिग्री सेल्सियस तक दो से तीन घंटे तक गरम किया जाता है। इसके बाद इससे सोना चांदी तांबा समेत अन्य विभिन्न प्रकार की धातुएं बाहर निकलती हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर केके पंत के नेतृत्व में छात्रों द्वारा ही एक ऐसी तकनीक को विकसित किया गया है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक कचरे (ई-वेस्ट) को रिसाइकिल करके सोना एवं चांदी समेत कई अन्य धातुओं को निकाला जा सकेगा।जानकारी के मुताबिक, केंद्र सरकार के विज्ञान एवं तकनीक विभाग के कचरा प्रबंधन कार्यक्रम के अधीन इस तकनीक को विकसित किया है।

उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में सिंगापुर से बातचीत में बताया कि यह एक तरह की मशीन है, जिससे हर दिन 50 किलो के ई-वेस्ट को रिसाइकिल किया जा सकता है। इस मशीन के अंदर ई-वेस्ट जैसे मोबाइल, लैपटॉप, बैटरी आदि को डालकर उसे 550 से 700 डिग्री सेल्सियस तक दो से तीन घंटे तक गरम किया जाता है। इसके बाद इससे सोना, चांदी, तांबा समेत अन्य विभिन्न प्रकार की धातुएं बाहर निकलती हैं।

बताया जा रहा है कि ऐसे में अगर एक टन ई-वेस्ट को रिसाइकिल किया जाए तो इससे 300 ग्राम सोना, 650 ग्राम चांदी एवं 200 ग्राम तक तांबा निकलेगा। उन्होंने बताया कि गुणवत्ता की दृष्टि से अच्छे मोबाइल फोन से ज्यादा मात्रा में सोना-चांदी निकलता है। इन मोबाइल फोन को अगर रिसाइकिल किया जाए तो सोना-चांदी निकलने की मात्रा में और इजाफा हो सकता है।

प्रो. केके पंत ने बताया कि तीन साल की कड़ी मेहनत के बाद इस तकनीक को विकसित किया है। अभी इस पर और भी काम चल रहे हैं। संस्थान की लैब के अंदर इसे तैयार किया गया है। इसमें संस्थान के केमिकल इंजीनियरिंग से पीएचडी कर रहे छात्र प्रशांत यादव ने भी काम किया है। प्रशांत ने छात्रों का नेतृत्व किया है।पंत ने बताया है कि भविष्य में इस मशीन के जरिये प्लास्टिक को भी रिसाइकिल किया जा सकेगा। जिसका उपयोग ईंधन के रूप में किया जा सकेगा। इस तकनीक को निजी क्षेत्र में भी पहुंचाने के लिए बातचीत की जा रही है। साथ ही सरकार के साथ मिलकर भी कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में इस पर काम किया जाएगा। यह तकनीक कचरा प्रबंधन क्षेत्र, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग एवं धातुएं बनाने वाले उद्योग के लिए भी लाभदायक होगा। यहां पर बता दें कि ई-कचरा सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए बड़ी समस्या बन चुका है, क्योंकि इसे नष्ट करना काफी दूभर होता है। खासकर प्लास्टिक और लोहे को बने सामान को नष्ट करना काफी लंबी प्रक्रिया है। भारत समेत दुनिया के तमाम बड़े देश ई-कचरा के प्रबंधन पर तेजी से काम कर रहे हैं, जिससे आने वाले कुछ सालों में इस पर लगाम लगाई जा सके और ई-कचरा को उचित तरीके से ठिकाने लगाया जा सके।

बाजार दिखा बड़ा लेकिन खरीदार है छोटा क्या टिक पाएगी टेस्ला इंडिया में?

-अजय कुमार

मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स की चमचमाती सड़कें, शीशे के भव्य शोरूम में खड़ी एक कार और बाहर भीड़ का उत्साह 15 जुलाई की सुबह कुछ ऐसी ही थी, जब भारत में टेस्ला ने आधिकारिक तौर पर कदम रखा। टेस्ला यानी उस सपने का नाम, जो अमेरिका में नवाचार की पहचान बन चुका है। लेकिन भारत में यह सपना साकार होगा या फिर वही हश्र होगा जो पहले भी कई विदेशी कंपनियों का हुआ, यही सवाल आज देश का हर गंभीर ऑटो विशेषज्ञ पूछ रहा है। टेस्ला की Model भारत में लॉन्च हुई है, जिसकी कीमत 60 लाख से 70 लाख के बीच है। यह गाड़ी आम आदमी के सपनों से कहीं दूर है, और इसीलिए यह चर्चा का विषय बन गई है। भारत में जहां कारों की औसत कीमत 11.5 लाख है, वहीं टेस्ला की शुरूआती कीमत छह गुना अधिक है। सवाल यह नहीं कि टेस्ला महंगी क्यों है, सवाल यह है कि भारत जैसे मूल्य-संवेदनशील बाजार में क्या वह टिक पाएगी?

भारत में गाड़ी खरीदना केवल यात्रा का जरिया नहीं, यह स्टेटस सिंबल भी है। लेकिन स्टेटस के साथ-साथ भारतीय ग्राहक ह्ववैल्यू फॉर मनीह्व भी चाहता है। भारत में आज भी रवश सेक्टर में 20-30 लाख की रेंज में टाटा, महिंद्रा और हुंडई जैसी कंपनियों का बोलबाला है। टेस्ला अगर इस रेंज में आती तो शायद बड़ी हलचल मचती, लेकिन 60 लाख से ऊपर की रेंज में वो खरीदारों का एक सीमित तबका ही पकड़ सकती है। और यह सीमित तबका भी टेस्ला के लिए आसान नहीं होगा। भारत में मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू और पोर्शे पहले से इस प्रीमियम सेगमेंट में मौजूद हैं। साल 2024 में भारत में 50 लाख से ऊपर की गाड़ियों की हिस्सेदारी मात्र 1 से 1.5% थी। यानी 100 में से सिर्फ एक या दो खरीदार ही इस रेंज में खर्च करते हैं। टेस्ला को इन्हीं के बीच अपनी जगह बनानी होगी।

यही नहीं, भारत की एश नीति और इंपोर्ट टैक्स भी टेस्ला के लिए बड़ी चुनौती हैं। फिलहाल जो मॉडल लॉन्च किए गए हैं, वे चीन की शंघाई फैक्ट्री से आयातित हैं। और भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर 70% से ज्यादा इंपोर्ट ड्यूटी लगती है। यही कारण है कि टेस्ला की कीमतें भारत में दो गुना हो जाती हैं। अगर कंपनी भारत में मैन्युफैक्क्चरिंग शुरू करती है और सरकार की नई एश नीति के तहत 4,150 करोड़ का निवेश करती है, तो उसे इंपोर्ट ड्यूटी में राहत मिल सकती है। लेकिन मस्क इस पर अब तक कोई साफ संकेत नहीं दे पाए हैं।अब बात करें ब्रांड के भावनात्मक पक्ष की। भारत में आईफोन जैसे महंगे ब्रांड्स की भी सीमित पहुंच है। आज भी भारत में एप्पल की बाजार हिस्सेदारी केवल 7झ12% है, जबकि अमेरिका में यह 40% के आसपास है। इसका सीधा अर्थ है कि भारत के मध्यम वर्ग में महंगे ब्रांड्स का क्रेज तो है, लेकिन जेब उतनी मजबूत नहीं। ऐसे में टेस्ला को भी वही चुनौती झेलनी होगी, जो एप्पल झेल रही है ब्रांड दिखे, पर बिके नहीं। उद्योग जगत भी इस एंट्री को लेकर सतर्क है। एक प्रमुख भारतीय ऑटोमोबाइल ग्रुप के अध्यक्ष ने तो एलन मस्क को सोशल मीडिया पर चुनौती देते हुए लिखा ₹चार्जिंग स्टेशन पर मिलते हैं !₹ यह सिर्फ एक मजाक नहीं, बल्कि एक सीधा संदेश है कि टेस्ला को भारतीय ब्रांड्स हल्के में नहीं लेने वाले। टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसी कंपनियां पहले ही 10 से 25 लाख की रेंज में एश गाड़ियाँ उपलब्ध करा रही हैं, जो आम भारतीयों की जरूरत और बजट दोनों से मेल खाती हैं।

अब सवाल यह भी है कि क्या भारत का चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर टेस्ला जैसे ब्रांड को सपोर्ट करने के लिए तैयार है? फिलहाल नहीं। टेस्ला ने भले ही मुंबई और दिल्ली में सुपरचार्जिंग स्टेशन लगाने की योजना बनाई हो, लेकिन पूरे देश में नेटवर्क बनाना एक लंबी प्रक्रिया है। और जब तक यह नेटवर्क तैयार नहीं होता, तब तक टेस्ला का बाजार केवल दिखावे तक सीमित रहेगा।टेस्ला का भविष्य इस पर भी निर्भर करेगा कि वह भारतीय ग्राहकों के लिए क्या पेशकश करती है। अगर टेस्ला भविष्य में ?40-45 लाख की रेंज में कोई मॉडल लाती है, तो वह मिड प्रीमियम ग्राहकों को आकर्षित कर सकती है। ये वही ग्राहक हैं जो 30 लाख की गाड़ी खरीदने की हैसियत रखते हैं और ब्रांड वैल्यू के लिए थोड़ा और खर्च करने को तैयार रहते हैं। लेकिन जब सामने टाटा, महिंद्रा और हुंडई जैसे भरोसेमंद ब्रांड हों, तो टेस्ला को केवल ब्रांड इमेज के सहारे सफलता नहीं मिलेगी।

इतिहास भी यही कहता है। हर्ले डेविडसन, शेव्रले और फोर्ड जैसी कंपनियों ने भी भारत में धमाकेदार एंट्री की थी, लेकिन कुछ वर्षों बाद उन्हें भारत छोड़ना पड़ा। वजह साफ थी भारतीय बाजार को समझने में चूक। सिर्फ नाम और टेक्नोलॉजी से भारत में गाड़ी नहीं बिकती, यहां लोगों की जरूरत, खर्च की सीमा और सेवा नेटवर्क की अहम भूमिका होती है।भारत में एश का भविष्य उज्ज्वल है, लेकिन अभी शुरूआती दौर में है। 2025 तक कुल गाड़ियों की बिक्री में EV की हिस्सेदारी केवल 4% रहने का अनुमान है। ऐसे में टेस्ला को जल्दबाजी नहीं, बल्कि रणनीति से काम लेना होगा। उसे भारत के लिए खास मॉडल, कीमत और सर्विस नीति बनानी होगी।टेस्ला की भारत में एंट्री एक नई शुरूआत है, लेकिन इसका भविष्य इस पर निर्भर करेगा कि क्या एलन मस्क भारत को सिर्फ एक बाजार नहीं, बल्कि एक साझेदार मानते हैं। अगर वह भारत में उत्पादन, रोजगार और तकनीक साझा करते हैं, तो उन्हें भारत का दिल भी मिलेगा और बाजार भी। वरना यह एंट्री भी एक शानदार लेकिन अल्पकालिक तमाशा बनकर रह जाएगी।

कथावाचकों की बढ़ती संख्या के बावजूद कमजोर होता सनातन और हिंदुत्व

-शिवपूजन पांडे, वरिष्ठ पत्रकार

देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के बीच यदि कोई और चीज तेजी से बढ़ रही है तो वह है। कथावाचकों और पाखंडी संतो की संख्या और कोई चीज लगातार कमजोर हो रही है तो वह है सनातन और हिन्दुत्व। आज देश में इतने कथावाचक हैं कि यदि एक कथावाचक सिर्फ एक जिले में सनातन को मजबूत करने का संकल्प ले ले तो पूरे देश में सनातन की आंधी बहने लगेगी। अलबत्ता दूसरों को भौतिक सुख सुविधाओं से दूर रहने की सलाह देने वाले कथावाचक अत्याधुनिक सुख सुविधाओं से परिपूर्ण हो चुके हैं। कभी घर-घर और मंदिरों में कथा कहने वाले कथावाचक अरबपति बन चुके हैं। करोड़ों की गाड़ी में घूम रहे हैं तथा जनता के जान माल की सुरक्षा करने के लिए नियुक्त पुलिसकर्मी और अधिकारी उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा कर रहे हैं। जहां तक उनकी संपत्ति का सवाल है आंकड़ों पर अगर नजर दौड़ाएं तो पिछले 10 वर्षों में उनकी संपत्ति सुरसा के मुख की तरह लगातार बढ़ रही है। अंध भक्तों के साथ-साथ सरकार का वरदहस्त उनके ऊपर है। ऐसे में कोई यह पूछने का दुस्साहस नहीं कर सकता कि उन्होंने अपार संपत्ति होने के बावजूद सरकार को कितना इनकम टैक्स दिया है। आयकर विभाग जहां नौकरी करने वाले लोगों की एक-एक पैसे आय का हिसाब मांगता है, वहीं ऐसे लोगों की तरफ नजर उठाकर भी नहीं देखता। चलिए सनातन के प्रचार और हिंदुत्व के लिए उनके द्वारा अपार संपत्ति बनाने की बात भी भूल जाते हैं। परंतु यक्ष प्रश्न यह सामने आता है कि लोगों को उनसे सनातन और हिंदुत्व को और मजबूत बनाने की जो उम्मीदें होती हैं , उसमें वह कितना खरा उतर रहे हैं ? देखा जाए तो सनातन और हिंदुत्व जितना अब खतरे में दिखाई दे रहा है, उतना कभी नहीं रहा। यह बात खुद कथावाचकों द्वारा समय-समय पर कही जाती है। एक तरफ जहां धर्मांतरण का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है, साधारण मौलवी और साधारण पादरी आदिवासी और गरीब इलाकों में जाकर हिंदुओं का धर्मांतरण कराने में लगे हैं वहीं कथित पाखंडी संत और कथित कथावाचक अमीरों के घर जाकर अपनी तिजोरी भरने में लगे हैं। इनके पास ऐसे इलाकों में जाकर कथा कहने या सत्संग करने का समय नहीं है। ऐसा नहीं है कि इनका प्रभाव लोगों पर नहीं पड़ेगा परंतु उसके लिए संत तुकाराम, संत ज्ञानेश्वर, संत रामदास की तरह बनना पड़ेगा, उनकी जीवन शैली और कार्य प्रणाली अपनानी होगी, जो इनके बस का तो बिल्कुल नहीं है। अधिकांश लोग तो पूरी तरह से एयर कंडीशन के आवरण में रह रहे हैं। जिन मठों से समरसता की गंगा बहनी चाहिए थी, जहां से भेदभाव को दूर कर संगठित हिंदू समाज की बात होनी चाहिए थी, वहां किसी फाइव स्टार होटल की तरह विलासितापूर्ण जीवन बिताया जा रहा है। देश को आजाद कराने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले मठ , अब सिलेक्टिव लोगों की आवाजाही तक सीमित हो गया है। देखा जाए तो हिंदू समाज में भेदभाव पैदा करने में ऐसे लोगों का प्रमुख हाथ रहा। सिर्फ अमीरों के घर हाजिरी लगाने वाले पाखंडी संत और कथावाचकों को देखकर आम आदमी सोचता है कि क्या मैं उस धर्म का हिस्सा नहीं हूं, जो हमारे बीच नहीं आते। हमसे भेदभाव करते हैं। अन्य धर्मों के लोग इसी का फायदा उठाते हैं। हमारे यहां धर्म के ठेकेदार अपना बैंक बैलेंस बढ़ाने में लगे हैं और उनके ठेकेदार आदिवासी और दलित बस्तियों में रहकर धर्मांतरण का पाठ पढ़ा रहे हैं। दूसरों को धन दौलत से दूर रहकर भक्ति का रसपान करने की नसीहत देने वाले धन के इतने प्यासे हैं कि करोड़ों अरबों की संपत्ति बनाने के बावजूद उनकी प्यास नहीं बुझ रही है। एक बात तो साफ है कि जहां एक तरफ पादरी और मौलवी अपने धर्म को बचाने के साथ-साथ धर्मांतरण के माध्यम से हिंदुओं को भी अपने धर्म में शामिल कर रहे हैं, वहीं पाखंडी संतो और कथावाचकों की बढ़ती संख्या के बावजूद हम लगातार कमजोर हो रहे हैं। वजह साफ हैझमौलवी और पादरी बिना किसी भेदभाव या लालच के काम कर रहे हैं और हमारे ठेकेदार गरीब जन मानस को नजरअंदाज करते हुए अपनी तिजोरी भरने में लगे हैं। एक समय आएगा जब जनता ठगी के गोरखधंधे के खिलाफ खुद खड़ी होगी और इनसे पूरा हिसाब लेगी।

मैं आजाद कलम का सिपाही हूं...!

पत्रकारिता को अक्सर सत्ता का चैथा स्तंभ कहा जाता है, लेकिन जब यह स्तंभ अपने मूल स्वरूप से डगमगाने लगे, तो समाज का संतुलन भी टूटने लगता है। आज जब सूचनाओं की बाढ़ है, मगर सच्चाई की प्यास बुझती नहीं, तब पत्रकार की भूमिका केवल समाचार संकलक की नहीं, बल्कि लोकस्वर के संवाहक की होती है। मतलब साफ है पत्रकारिता केवल समाचारों का संकलन या प्रसारण भर नहीं है। यह समाज की आत्मा से संवाद है। यह लोकजीवन की धड़कनों को सुनने, समझने और उसे शब्द देने की तपस्वी प्रक्रिया है। इसी भावना से मैं अपनी पत्रकारिता को परिभाषित करता हूं. यह किसी को डराने, धमकाने या ब्लैकमेल करने का औजार नहीं, बल्कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की आवाज को मंच देने का माध्यम है।

मैं जब पत्रकारिता के क्षेत्र में आया, तो मैंने इसे न तो व्यवसाय की दृष्टि से देखा, न ही सत्ता या प्रसिद्धि की सीढ़ी के रूप में। मैंने इसे अपने विचारधारा और संवैधानिक चेतना के विस्तार के रूप में अपनाया, एक ऐसा माध्यम, जिससे मैं समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज बन सकूं। मेरी कलम न सत्ता से संचालित है,

न किसी संस्था से निर्देशित। यह कलम उस विचारधारा की अंतिम स्याही है, जो सामाजिक न्याय, संवैधानिक अधिकार और मानवीय गरिमा के लिए बहती है। मैं पत्रकारिता को सिर्फ एक पेशा नहीं मानता, यह मेरे लिए एक नैतिक दायित्व है. एक ऐसी प्रक्रिया, जिसके माध्यम से लोकतंत्र की आत्मा जीवंत रह सके। आज जब मीडिया पर बाजार, विज्ञापन और राजनीतिक दबावों का शिकंजा कसता जा रहा है, तब पत्रकार का विवेक, उसकी प्रतिबद्धता और उसका साहस सबसे बड़ी पूंजी बन जाती है। और मैं स्वयं को इसी चुनौती से जूझता पत्रकार मानता हूं, जो न बिकने को तैयार है, न झुकने को।

मेरी कलम न तो किसी दल की भोंपू है, न ही किसी कारपोरेट एजेंडे का औजार। मेरी पत्रकारिता का उद्देश्य किसी को डराना, धमकाना या लज्जित करना नहीं है। यह कलम किसी को गिराने के लिए नहीं, बल्कि गिराए गए को उठाने के लिए उठती है। मैं यह मानता हूं कि पत्रकारिता का धर्म है, बोलना वहां, जहां चुप्पी सहमति बन जाए और लिखना वहां, जहां सच दबा दिया जाए। जब कोई किसान आत्महत्या करता है, कोई मजदूर विस्थापित होता है, कोई दलित न्याय से वंचित रह जाता है, कोई महिला उत्पीड़न की शिकार होती है या कोई आदिवासी जंगल से बेदखल कर दिया जाता है, या कोई प्रताड़ना से ग्रसित बुनकर तब मुख्यधारा की मीडिया अक्सर खामोश हो जाती है। मेरी लेखनी उन्हीं आवाजों की साझेदार बनना चाहती है, जो टीआरपी की दुनिया में गुम हो जाती हैं। मेरी कलम विचारधारा की स्याही से भीगती है, लेकिन किसी वाद की दास नहीं है। यह कलम लोकतंत्र के मूल्यों, संविधान की आत्मा और जन-जन के हक की पक्षधर है।

मैं चाहता हूं कि मेरी पत्रकारिता सामाजिक न्याय, समानता और मानव गरिमा की पुनर्स्थापना का औजार बने। यह राह आसान नहीं है, यह राह अकेलेपन की भी है, आलोचना की भी, और संघर्ष की भी। लेकिन अगर यह राह किसी पीड़ित को न्याय दिला सके, किसी निर्बल को बल दे सके, तो यही मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। मैं उस राह का राही हूं, जो लोकप्रियता की होड़ से परे है, जो सत्ता की प्रशंसा से दूर है, लेकिन जो जन-आवाज के सबसे निकट है। मैं उस स्वराज की कल्पना में विश्वास करता हूं, जिसमें हर व्यक्ति को अपने विचार रखने, विरोध दर्ज करने और न्याय मांगने का अधिकार हो। मेरी पत्रकारिता उसी स्वराज की परिकल्पना का विस्तार है, जहां लेखनी एक आंदोलन है, और पत्रकार एक जनपक्षधर सैनिक। जब कलम बिकने लगती है, तो सत्य गिरवी हो जाता है। और जब कलम चुप हो जाती है, तब अन्याय बोलने लगता है। मैं नहीं चाहता कि मेरी कलम किसी के लिए हथियार बने, मैं चाहता हूं कि यह समाज के लिए दीपशिखा बने, जो अंधेरे में दिशा दिखाए। मैं चाहता हूं कि मेरी पत्रकारिता से निकली हर पंक्ति किसी मूक चीख को स्वर दे, किसी पीड़ित की पीड़ा को मंच मिले। मैं चाहता हूं कि जब सत्ता मद में चूर हो जाए, तब मेरी कलम उसका आईना बने। जब व्यवस्था विकृत हो जाए, तब मेरी लेखनी उसका विवेक बने। और जब समाज थक जाए, टूट जाए, तब मेरी आवाज उसे फिर से उठ खड़ा होने की हिम्मत दे। मुझे गर्व हो, यदि आने वाली पीढ़ियां कहें कि ह्लयह पत्रकार सबका था, लेकिन किसी का गुलाम नहीं थाह्व मैं आजाद कलम का वह सिपाही बनना चाहता हूं जो सबका है, लेकिन किसी का नहीं। जिसका कोई निजी स्वार्थ नहीं, पर जिसकी निष्ठा जनहित में अडिग है। पत्रकारिता का यह आदर्श भले ही कठिन हो, लेकिन यही उसका असली रूप है। इस कलम को बिकने नहीं दूंगा। इसे झुकने नहीं दूंगा। इसे उस हर व्यक्ति के लिए चलने दूंगा, जिसकी आवाज कोई नहीं सुनता।

खासतौर से तब जब पत्रकारिता एक व्यवसाय का रूप ले चुकी है. इस समय भारत में देशभक्ति से पूर्ण पत्रकारिता की जरूरत है जो आजादी से पहले हुआ करती थी। आज सस्ती टीआरपी की होड़ लगी है। समाज में व्याप्त बुराइयां इस पवित्र पेशे को भी दागदार बना चुकी हैं। जब दर्पण ही दागदार हो गया तो वह भला कैसे बता सकेगा समाज की सच्ची तस्वीर। पत्रकारिता को लोकतंत्र का चैथा स्तंभ माना जाता है। जब न्यायपालिका को छोड़कर लोकतंत्र के बाकी स्तंभ भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद की समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो ऐसे समय पत्रकारिता की सामाजिक जिम्मेदारी कहीं अधिक बढ़ जाती है। लेकिन दुखद बात तो यह है कि अब तो समाचारों की विश्वसनीयता पर भी संदेह होने लगा है। पत्रकारों का यह दायित्व है कि वे लोगों को सही खबरों से अवगत कराएं और उनमें लोकतंत्र की आस्था को मजबूत करें। इससे बड़ी बिडम्बना और क्या हो सकती है जब अखबारों के मालिक ही राजनीतिक दलों से डील कर पैसे लेकर उनके पक्ष में समाचार छापते हैं, तब फिर मातहत अधिकारी और कर्मी भी तो यही करेंगे। गंगा गंगोत्री से ही मैली हो रही है। सफाई की शुरूआत भी वहीं से करनी होगी लेकिन बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधेगा? लोग पत्रकार क्यों बनते हैं-जन सेवा के लिए या फिर जैसे-तैसे पैसा कमाने के लिए। माना अब पत्रकारिता अब मिशन नहीं रहा, लेकिन इसको मिशन बनाया जा सकता है। तेज सफर में पत्रकारों को पत्रकारिता जगत के लिए शहीद भी होना पड़ा परन्तु इन कलम के रखवालों ने अपनी कलम की रोशनी को कम नहीं होने दिया और भ्रष्टाचार जैसे कुकुरमुत्ते का विनाश किया लेकिन समय बदलते ही कलम की रोशनी पर भी तेज आंच आयी जो आज भी बदस्तूर जारी है। पत्रकारिता जगत में पत्रकारों को हर पल अपने जान-माल का खतरा भी रहा है लेकिन कलम के रखवालों ने अपनी कलम की रोशनी को यूं ही जाय नहीं होने दिया और अपनी कलम की रोशनी को पूरे पत्रकारिता जगत पर बिखेर कर रोशन कर दिया।

पत्रकार एक ऐसा शब्द है जिसकी रक्षा करना हर कलम के जादूगर का फर्ज है और यही सोच ले बहुत से कलम के हुनरदारों ने पत्रकारिता जगत में धूम-धड़ाके से प्रवेश किया परन्तु समाज ने उन्हें उनका फर्ज भुलाकर अपनी मुट्ठी में कैद करने की कोशिश शुरू कर दी। पत्रकार को मुट्ठी में कैद करने की चालें देश के गद्दारों, भ्रष्टाचारियों, अवैध धंधे करने वालों ने करके पत्रकारिता की गरिमा को ठेस पहुंचाकर कलम के हुनर को दबाने की कोशिश की और हरदम उनका प्रयास और तेज है। जबकि सभी स्वार्थों का त्यागकर पत्रकारिता जगत में बेखौफ कलम चलाकर भ्रष्टाचारियों के चेहरे बेनकाब करने चाहिए। वह दौर-ए-गुलामी था, यह दौर-ए-गुलामां है-पत्रकारिता के संघर्ष की इससे दो दिशाएं साफ होती हैं। तब मिशन था अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति का और अब दौर है आर्थिक-सामाजिक-राजनीतिक दासता से मुक्ति का। इसी की चाहत के साथ समर्पित भाव से काम करने वाले दुनिया के 29 देशों में 141 पत्रकारों ने अपनी जानें गंवा दीं। भारतीय पत्रकारिता के बारे में भी कहा गया-ह्यतलवार की धार पे धावनो है- पत्रकारिता तलवार की धार पर दौड़ने के समान है। हमें पत्रकारिता में सच्चाई के लिए लड़ना सिखाया गया था और मेरा भी वही उद्देश्य था और इसीलिए मैं मीडिया से जुड़ा भी लेकिन सच्चाई वो नहीं थी वो तो सिर्फ एक परछाई थी जिसे मैं पकड़ने की कोशिश कर रहा था।

-सुरेश गांधी

एडवोकेट उज्ज्वल निकम को राज्यसभा में नियुक्त किए जाने पर बधाई दी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सुप्रसिद्ध विधिवेत्ता पद्मश्री एडवोकेट उज्ज्वल निकम को राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत राज्यसभा सांसद नियुक्त किए जाने पर बधाईयों का तांता लगा हुआ है। भाजपा चांदिवली विधानसभा संयोजक एवं पूर्व नगरसेवक प्रकाश देवजी मोरे ने एडवोकेट उज्ज्वल निकम को शॉल और पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक बधाई दी। इस अवसर प्रवक्ता एडवोकेट अनिकेत निकम जिला उपाध्यक्ष शुभ्रांशु दीक्षित, पवई मंडल अध्यक्ष महेश चौगुले, असल्फा मंडल अध्यक्ष प्राजक्ता मौर्य, पूर्व विधानसभा महासचिव रेशमा चौगुले, असल्फा मंडल उपाध्यक्ष सर्वेश सिंह, असल्फा मंडल महासचिव परशुराम शिंदे, वार्ड अध्यक्ष 159 तानाजी कवर, पूर्व वार्ड अध्यक्ष प्रशांत मौर्य, गुजराती सेल वार्ड अध्यक्ष 159 राकेश उपाध्याय, युवा मोर्चा विधानसभा अध्यक्ष अभिषेक सिंह एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राकांपा अजित पवार गट महिलाध्यक्षा द्वारा प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे के जन्मदिन पर वृक्षरोपण संपन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। राकांपा अजित पवार गट के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे के जन्मदिन के अवसर पर भिवंडी महिलाध्यक्ष नमिता शेखावत के मार्गदर्शन में स्वर्गीय परशुराम टावरे स्टेडियम परिसर वृक्षारोपण किया गया । बतादें कि सांसद सुनील तटकरे के जन्मदिन दिन पर 10 तारीख से ही कई सामाजिक उपक्रम किए जा रहे हैं तों वहीं भिवंडी में भी कई उपक्रम किए गए लेकिन बढ़ते हुए प्रदुषण और पर्यावरण को देखते हुए महिलाध्यक्षा नमिता शेखावत और पदाधिकारियों ने वृक्षारोपण कर समाज को नया संदेश दिया । इस अवसर पर युवक अध्यक्ष आसिफ खान, कार्याध्यक्ष सिद्धार्थ गोरे, वसीम मोमिन, समीम शेख,रेहान काजी, विष्णु निषाद तों वहीं महिलाओ में जागृति लंके, सुषमा शेलार, लक्ष्मी वेलदंडी, प्रिया कांबळे, निशा जाधव,अपर्णा शहा,महेमुदा सैय्यद,आसमा सैय्यद, रूबी अन्सारी सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे ।

कामत्स लेगेसी ने मीरा रोड़ में खोला नया आउटलेट

ठाणे। प्रमाणित दक्षिण भारतीय व्यंजनों में भारत के जाने-माने नाम कामत्स लेगेसी ने मीरा रोड़, ठाणे में अपना नया आउटलेट खोला है। शुद्धता, प्रमाणिकता एवं इनोवेशन को बरकरार रखते हुए सदियों पुराने दक्षिण भारतीय स्वाद को अपने मेहमानों के करीब.लाने की योजना के तहत कंपनी ने यह विस्तार किया है। नया रेस्टोरेन्ट, हवादार और रंग-बिरंगे माहौल के बीच अपने मेहमानों को डाइनिंग का बेजोड़ अनुभव प्रदान करता है। यहां दक्षिण भारतीय आतिथ्य के साथ सस्टेनेबिलिटी को भी ध्यान में रखा जाता है जैसे केले के पत्ते पर खाना परोसना और कोल्ड-प्रेस्ड मूंगफली के तेल का इस्तेमाल। यह नया आउटलेट युनिट नंबर 1, रामदेव रितु हाईट्स, ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नंबर 3, मीरा रोड़, ठाणे- 401107 पर खोला है। रेस्टोरेन्ट उद्योग में पहली बार कामत्स लेगेसी ने खाने के शौकीनों के साथ अनूठा जश्न मनाते हुए खास तरीके से उद्घाटन की योजना बनाई। आउटलेट में 300 से अधिक प्राइमरी और प्री-प्राइमरी स्कूल के बच्चों को उनके अभिभावकों के साथ आमंत्रित किया गया, इन बच्चों को रेस्टोरेन्ट में पेश किए गए नए किड्स मैन्यु का लुत्फ उठाने का अवसर मिला। सेहतमंद और मजेदार विकल्पों से युक्त इस मैन्यु में स्वादिष्ट व्यंजन जैसे मिनी चीज बाईट्स, उल्टापुल्टा डोसा, चीजी बेने डोसा, साउथिज्जा और ऑल-इन-वन किड्स कोम्बो शामिल हैं। लॉन्च के अवसर डॉ विक्रम कामत, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, कामत्स लेगेसी ने कहा, अपने नए आउटलेट के साथ हम परिवारों को दक्षिण भारतीय व्यंजनों के और करीब लाना चाहते हैं। मीरा रोड़ एक नया और उभरता क्षेत्र है, हमें खुशी है कि हमें कामत्स लेगेसी की शुद्धता, परम्परा और स्वाद को बनाए रखते हुए इस क्षेत्र के लोगों को अपनी सेवाएं प्रदान करने का मौका मिल रहा है। हमारा नया किड्स मैन्यु हर उम्र के मेहमानों को मजेदार और स्वाद से भरपूर अनुभव प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नए आउटलेट की ओपनिंग बिना मिलावट के क्षेत्रीय व्यंजनों को सुलभ बनाने की कामत्स लेगेसी की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

ड्रीम टेक्नोलॉजीने क्रोमा के साथ साझेदारी करके भारत में ऑफलाइन उपस्थिति का किया विस्तार

ठाणे। स्मार्ट होम अप्लायंसेज की वैश्विक लीडर, ड्रीम टेक्नोलॉजी ने क्रोमा के साथ साझेदारी करके भारत में ऑफलाइन खुदरा क्षेत्र में आधिकारिक रूप से कदम रखा है। यह कदम बाजार के लिए उनकी विकास रणनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अमेजन इंडिया पर मजबूत मांग और लगातार सफलता के बाद, यह ब्रांड अब अपने इंटेलिजेंट क्लीनिंग और ग्रूमिंग प्रोडक्ट्स को सीधे फिजिकल स्टोर में ला रहा है। इससे भारतीय ग्राहकों के लिए इसके उत्पाद अब और भी सुलभ हो गए हैं, जिन्हें वे आसानी से देख और अनुभव कर सकते हैं।अपनी विस्तार योजना के तहत, ड्रीम के प्रोडक्ट्स 20 से अधिक शहरों में चुनिंदा क्रोमा स्टोर्स पर उपलब्ध होंगे। इनमें मेट्रो, टियर 1 और टियर 2 शहर शामिल हैं। अब आप क्रोमा स्टोर्स में ड्रीम जोनड में जाकर ड्रीम के एडवांस और इनोवेटिव प्रोडक्ट्स, जैसे कि रोबोटिक वैक्यूम, कॉर्डलेस स्टिक वैक्यूम, वेट-एंड-ड्राई वैक्यूम, और ग्रूमिंग प्रोडक्ट्स का अनुभव ले सकते हैं। इन प्रोडक्ट्स को सीधे अनुभव करने का मौका देकर, ड्रीम का लक्ष्य भारतीय घरों के करीब पहुंचना है। आप खरीदने से पहले इन प्रोडक्ट्स को चलाकर देख सकते हैं, उनकी खूबियों को समझ सकते हैं और अपनी जरूरतों के हिसाब से सही फैसला ले सकते हैं। मनु शर्मा, जो ड्रीम इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं, ने कहा, भारत हमारे लिए दुनिया के सबसे रोमांचक बाजारों में से एक है।

निपुण पालघर अभियान का जिला परिषद विद्यालय वेवूर में भव्य शुभारंभ

सी.ई.ओ. मनोज रानडे के हाथों 'विनोबा ऐप' का उद्घाटन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिला परिषद पालघर द्वारा संचालित ₹निपुण पालघर झ गुणवत्ता विकास अभियान₹ का भव्य शुभारंभ वेवूर (तहसील पालघर) स्थित जिला परिषद विद्यालय में मंगलवार 15 जुलाई 2025 को बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस विशेष अभियान का उद्देश्य कक्षा दूसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों में मूलभूत साक्षरता और गणितीय ज्ञान (एफ.एल.एन.) को मजबूत करना है।

इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके करकमलों से 'विनोबा ऐप' का औपचारिक उद्घाटन किया गया। यह ऐप विद्यार्थियों की मूल्यांकन प्रक्रिया को डिजिटल रूप से दर्ज कर उनकी शैक्षणिक प्रगति का विश्लेषण करने में सहायक होगा। कार्यक्रम में प्राथमिक शिक्षणाधिकारी सोनाली मातेकर, गटविकास अधिकारी बापूराव नाले, डाएट प्राचार्य संभाजी भोजने, जिला समन्वयक तानाजी डावरे, गटशिक्षणाधिकारी माधवी तांडेल, विद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थी तथा अभिभावकगण उपस्थित थे। शुभारंभ समारोह के दौरान विद्यार्थियों की अध्ययन क्षमताओं का मूल्यांकन ओ.एम.आर. शीट के माध्यम से किया गया, जिसे 'विनोबा ऐप' के माध्यम से तुरंत ऑनलाइन रिकॉर्ड किया गया। यह प्रक्रिया विद्यालय, केंद्र और तहसील स्तर पर विश्लेषण करने के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने स्वयं दूसरी कक्षा की एक छात्रा के मूल्यांकन की प्रक्रिया में भाग लेते हुए निरीक्षण किया और शिक्षकों से 100% गुणवत्ता प्राप्त करने की दिशा में विशेष प्रयास करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, वेवूर विद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षक और व्यवस्थापन समिति का योगदान सराहनीय है। मुझे विश्वास है कि यह विद्यालय निपुण पालघर उपक्रम में हमेशा अग्रणी रहेगी। केवल पढ़ना ही नहीं, बल्कि अर्थ समझना, वाक्य निर्माण करना, विचारशक्ति बढ़ाना और जीवनोपयोगी कौशलों का विकास भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी शिक्षकों से आग्रह किया कि वे विद्यार्थियों की तैयारी योजनाबद्ध, गंभीर और उद्देश्यपूर्ण तरीके से करें। इस अवसर पर शिक्षणाधिकारी सोनाली मातेकर ने कार्यक्रम का प्रास्ताविक भाषण देते हुए कहा, हमारे जिले का हर विद्यार्थी एक आदर्श, सुसंस्कृत और सक्षम नागरिक बने यही निपुण पालघर अभियान की सबसे बड़ी सफलता होगी। उन्होंने सभी शिक्षक, विद्यार्थी और विद्यालयों को इस महत्त्वपूर्ण उपक्रम के लिए शुभकामनाएँ दीं।

उत्तर भारतीय कार्यकर्ता शिवसेना शिंदे गुट में हुए शामिल

कल्याण (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव को लेकर राजनीतिक दल संगठन को मजबूत करने की कयास में लगे हुए हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को कल्याण में अनेक उत्तर भारतीय कार्यकताओं ने डोंबिवली शहर शाखा में शिवसेना शिंदे गुट में प्रवेश किया।

कल्याण के सांसद डा.श्रीकांत शिंदे ने कार्यकताओं का शिवसेना में स्वागत किया। इस मौके पर विधायक राजेश मोरे और शिंदे गुट के उत्तर भारतीय शहर प्रमुख सीपी मिश्रा भी मौजूद थे । सीपी मिश्रा ने कहा कि राज्य के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और सांसद डा. श्रीकांत शिंदे की कार्यशैली से प्रभावित होकर आडीवली-ढोकली के कार्यकर्ता जितेंद्र सोनार, हरिराम मिश्रा, प्रदीप चौरसिया, शाकिर अली, निर्मल कुमावत सहित बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय समाज के कार्यकर्ता शिंदे सेना में शामिल हो गए हैं।

काशीमीरा पुलिस ने 12 घंटे के भीतर दो शातिर चैन स्नैचरों को किया गिरफ्तार

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड स्थित भक्ति वेदांत अस्पताल के पास हुई एक बुजुर्ग महिला से चेन स्नैचिंग की वारदात को काशीमीरा पुलिस की क्राइम ब्रांच सेल-1 ने महज 12 घंटे में सुलझा लिया. पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गई सोने की चेन और मोबाइल फोन समेत कुल 2.9 लाख रुपए मूल्य का माल जब्त किया है. गिरफ्तार आरोपियों के नाम

शहजाद इमाम मोहम्मद आरिफ हैदरी उर्फ विक्की उर्फ गधीर अमरोही (41) है. वह मोहल्ला बगला, अमरोहा, उत्तर प्रदेश का निवासी और दूसरे आरोपी का नाम अबू तोराब ताजदार हुसैन (23), ठाकुर विलेज, कांदिवली (पूर्व), मुंबई का रहने वाला है. शहजाद इमाम मोहम्मद आरिफ हैदरी पर नवघर, मीरारोड, काशीमीरा, नयानगर पुलिस थाने में कुल 18 से अधिक चेन स्नेचिंग के मामले दर्ज है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 72 वर्षीय महिला अपने पति और भतीजे के साथ इलाज के लिए अस्पताल गई थीं.सुबह 10.15 बजे जब वे अस्पताल से बाहर निकल रही थीं, तभी मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात बदमाशों ने पीछा कर गले से जबरन 5 तोला सोने की चेन छीन ली और फरार हो गए. महिला ने विरोध किया तो आरोपियों ने उन्हें धक्का भी दिया, जिसकी शिकायत उन्होंने काशीमीरा पुलिस थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने घटनास्थल से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों की पहचान की. पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी शहजाद उत्तरप्रदेश के अमरोहा से मुंबई आकर वारदात को अंजाम देता हैं और वह सूर्यनगरी एक्सप्रेस से जोधपुर भागने की कोशिश में था. पुलिस टीम ने कार्रवाई कर दोनों आरोपियों को ट्रेन से गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में तथा पुलिस निरीक्षक प्रमोद बडाख के निर्देशन में की गई।

पालघर में आपदा प्रबंधन पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन गृह विभाग (विशेष) के अंतर्गत नागरिक सुरक्षा दल तारापूर, जिला पालघर के उपनियंत्रक काशिनाथ र. कुरकुटे तथा विधानसभा विभागीय अधिकारी निलेश वझे के मार्गदर्शन में एक पांच दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर 08 जुलाई 2025 से 12 जुलाई 2025 तक यशवंतराव चाफेकर महाविद्यालय में आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन अग्निरा फाउंडेशन की अध्यक्ष श्वेता केदार मुल्ये एवं उनकी टीम के संयुक्त सहयोग से किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों और मास्टर ट्रेनर्स ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिविर में आपातकालीन परिस्थितियों में किए जाने वाले उपायों, प्राथमिक उपचार, अग्निशमन तकनीक, आपदा से बचाव, और राहत कार्यों से संबंधित व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर पालघर और मोखाड़ा क्षेत्र से बड़ी संख्या में नागरिकों और छात्रों ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर की सफलता के लिए आयोजकों और प्रशिक्षकों की सराहना की गई, जिन्होंने जनहित में इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

दैनिक स्वराज्य तोरण के संपादक डा. किशोर पाटील को राज्यस्तरीय पुरस्कार से किया गया सम्मानित

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। ठाणे जिला अंतर्गत भिवंडी के वलगांव से निकलने वाला संपूर्ण महाराष्ट्र की खबरों को संकलित कर दै,स्वराज्य तोरण (मराठी)समाचार पत्र में प्रकाशित करके एक अलग छवि बनाने वाले संपादक डा. किशोर बलीराम पाटील को उनकी लगन , साहस , स्पस्टता , और निडरता तथा शासन व प्रशासन द्वारा गरीब व मजबूर लोंगों की आवाज बनकर संघर्ष को ध्यान में रखकर उनको राज्य स्तरीय गुणगौरव पुरस्कार २०२५ से सम्मानित किया गया । यह पुरस्कार महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ मुंबई द्वारा प्रदान किया गया । डाक्टर किशोर पाटील को यह सम्मान ठाणे कोर्ट नाका के पास टाऊन हाल में १२ जुलाई २०२५ को आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार पत्रकार संघ के प्रदेशाध्यक्ष वसंतराव मुंडे के हाथों प्रदान किया गया। इस अवसर पर व्यासपीठ पर राज्य के कार्याध्यक्ष प्रवीण सपकाले, जनरल सेक्रेटरी जगदीश सोनवणे, राज्य उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप कोठावदे, कोकण विभाग संघटक अरुण बिराजदार, राज्य सल्लागार प्रमोद इंगळे, ठाणे जिल्हाध्यक्ष शंकर कर-डे, नवी मुंबई जिला अध्यक्ष जेन्द्र बोड़के ठाणे शहर जिलाध्यक्ष नितीन मनोहर शिंदे आदी मान्यवर उपस्थित थे । संपादक डॉ.पाटील लगभग २० वर्षों से अधिक समय से लगातार अपनी कलम से, सामाजिक, शासकीय योजनांओं के गतिविधियों, प्रशासन के लापरवाही , राजकीय कार्य प्रणाली को बखूबी अभ्यास पूर्ण चनकज पत्रकारिता की झलक दिखाई देती है ।

यह पुरस्कार डॉक्टर, पुलीस, शिक्षक, वकील, पत्रकार जैसे विविध क्षेत्रों में राज्य स्तर पर कार्य करने वाले व्यक्तियों को प्रदान किया गया ।

यह आयोजन पत्रकार संघ के राज्य संघटक व ठाणे जिला शहर अध्यक्ष नितीन मनोहर शिंदे और और उनके सहयोगियों ने की थी ।

डोंगरी के चिल्ड्रेंस होम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से शैक्षणिक सामग्री का वितरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिक्षा ज्ञान की वह सीढ़ी है जो व्यक्ति को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाती है। देश जहां 21 वीं सदी में प्रवेश कर चुका है वहीं आज भी बड़ी संख्या में बच्चे धन की कमी के कारण या अन्य कारणों से स्कूल जा नहीं पाते। इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए डोंगरी के चिल्ड्रेंस होम में जाने माने बॉलीवुड अभिनेता गौरव दीक्षित मुंबई अल्पसंख्यक मोर्चा के सचिव (समाजसेवक) सलमान खान और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष हुसेन पठाण ने मुंबई डोंगरी के चिल्ड्रेंस होम में रहने वाले बच्चों के लिए नोटबुक, ड्राइंग बुक, और अन्य शैक्षणिक सामग्री जेल के जेलर राहुल कान्तिकर को सौंपा। कुछ सुरक्षा कारणों व चिल्ड्रंस होम के नियम के कारण उक्त शैक्षणिक सामग्री डोंगरी जेल के जेलर को सौंपा गया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष हुसेन पठाण ने कि एक छोटी सी पहल उन बच्चों के लिए जो बाहर की दुनिया से बिल्कुल अलग होकर अपना जीवन जी रहे है। किसी भी कारण वश वे बच्चे भले ही चिल्ड्रंस होम में हैं लेकिन उनका भी उतना ही हक है शिक्षा हासिल करने का।

फेडएक्स ने तैयार किया उद्योग-योग्य युवा टैलेंट

मुंबई। दुनिया की सबसे बड़ी एक्सप्रेस परिवहन कंपनी फेडएक्स एक्सप्रेस (फेडएक्स) भारत में संगठित कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देकर विश्व युवा कौशल दिवस 2025 मना रही है। इस वर्ष की वैश्विक थीम कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल कौशल के जरिए युवाओं को सशक्त बनाना है और इसके अनुरूप फेडएक्स युवाओं को तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुसार तैयार करने में मदद कर रही है। गैर-लाभकारी संगठनों के साथ साझेदारी में फे-डएक्स अब तक 1,500 से अधिक युवाओं को क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, सप्लाई चेन प्रबंधन और वेयरहाउस संचालन जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण दे चुकी है। इन पाठ्यक्रमों में तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ नौकरी की तैयारी, संवाद कौशल और कार्यस्थल से जुड़े व्यवहारिक प्रशिक्षण भी शामिल हैं, जिससे छात्रों को पढ़ाई से रोजगार तक की राह आसान होती है।

फेडएक्स मिडल ईस्ट, भारतीय उपमहाद्वीप और अफ्रीका के वाइस प्रेसिडेंट मार्केटिंग, कस्टमर एक्सपीरियंस और एयर नेटवर्क श्री नितिन नवनीत तातीवाला ने कहा, भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है। उन्हें उद्योग से जुड़ी व्यावहारिक क्षमताएं देना आर्थिक विकास के लिए बेहद जरूरी है। फे-डएक्स में हमारा प्रयास है कि हम युवाओं को ऐसा अनुभव दें, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाए और उन्हें भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करे। अब तक इन कार्यक्रमों के जरिए करीब 930 युवाओं को तकनीक, स्वास्थ्य सेवा, लॉजिस्टिक्स, रिटेल और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में रोजगार मिला है। प्रारंभिक वेतन 13,000 रूपए से 18,000 रूपए प्रति माह तक रहा है, जबकि कुछ को 30,000 रूपए तक का पैकेज भी मिला है। नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क के तहत संचालित ये कार्यक्रम कक्षा शिक्षण के साथ व्यावहारिक अनुभव, जीवन कौशल और मार्गदर्शन को जोड़ते हैं। 60% से अधिक प्रतिभागी महिलाएं रही हैं, जिनमें से कई पहली बार औपचारिक कार्यबल का हिस्सा बनी हैं। यह पहल रोजगार योग्यता, डिजिटल स्किलिंग और समावेशी आर्थिक विकास जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है। फे-डएक्स का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, मिश्रित शिक्षण मॉडल और मेंटरशिप के जरिए युवाओं के लिए दीर्घकालिक रोजगार के रास्ते खोलना है।

पटना के निवेशकों ने टाटा कंज्यूमर फंड में 5 करोड़ रुपये का निवेश किया

मुंबई/पटना। ग्रामीण इलाकों में लोगों की बढ़ती आय और सामान्य मानसून की संभावना भारत में कंजम्पशन में आशावाद को जगा रही है। कंजम्पशन पर आधारित म्यूचुअल फंडों ने 2024 में निवेशकों को काफी आकर्षित किया है। 2025 की शुरूआत में एक छोटे से झटके के बाद, व्यापक बाजार की तरह मार्च से इस श्रेणी में उछाल आया है। कंजम्पशन फंडों में, टाटा इंडिया कंज्यूमर फंड निवेशकों के लिए विचार करने योग्य निवेश विकल्पों में से एक है। टाटा इंडिया कंज्यूमर फंड की मासिक औसत प्रबंधनाधीन संपत्ति 30 जून, 2025 तक 2,457.4 करोड़ रुपये तक पहुँच गई, जिसमें 31 मार्च, 2024 के 1,457 करोड़ रुपये से 69% की वृद्धि हुई है। निवेश के संदर्भ में, टाटा म्यूचुअल फंड के आंतरिक आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2024 से जून 2025 के बीच टाटा इंडिया कंज्यूमर फंड में पटना से 5 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। टाटा एसेट मैनेजमेंट की सीनियर फंड मैनेजर सोनम उदासी ने कहा, भारत में कंजम्पशन एक स्ट्रक्चरल थीम बनी हुई है, जिस पर युवा आबादी, बढ़ती आय और आकांक्षाओं से आने वाली मांगों का प्रभाव है। उन्होंने आगे कहा, हमने टाटा इंडिया कंज्यूमर फंड को विवेकाधीन और सेवा-आधारित खपत की ओर झुकाव के साथ रिपोजिशन किया है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बारिश ने दी राहत, पर खोली नगर पालिका की पोल, सड़कें बनीं झील, घरों में घुसा गंदा पानी

रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मंगलवार की शाम हुई झमाझम बारिश ने एक ओर जहां भीषण उमस से राहत दी, रूप ले लिया। खासकर कलेक्ट्रेट से लाइन बाजार तक का मुख्य मार्ग तो मानो बाढ़ के पानी में समा गया। सड़कें डूब गईं और वाहन रेंगने लगे।

वहीं दूसरी ओर नगर पालिका परिषद की लचर व्यवस्था की कलई खोलकर रख दी। बारिश ने शहर की जर्जर और अव्यवस्थित जलनिकासी प्रणाली की पोल खोल दी। जैसे ही तेज बारिश शुरू हुई, शहर की प्रमुख सड़कों ने झील का हालत यह हो गई कि दफ्तर, स्कूल, कोचिंग सेंटर से लौट रहे बच्चे और कर्मचारी गंदे व बदबूदार पानी से होकर गुजरने को मजबूर हो गए। नालियां ओवरफ्लो हो गईं, और जगह-जगह जलजमाव के कारण लोग घंटों तक फंसे रहे।

विकास के तमाम दावों की पोल तब पूरी तरह खुल गई, जब कई मोहल्लों के घरों में बारिश का गंदा पानी घुस गया। लोग अपने ही घरों में कैद हो गए। बच्चों और बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

नगरवासियों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि हर साल बरसात में यही नजारा देखने को मिलता है, लेकिन नगर पालिका सिर्फ कागजों में सफाई और जलनिकासी के दावे करती है।

अब सवाल उठता है कि जब थोड़ी सी बारिश से यह हाल है, तो लंबे समय तक बारिश होने पर क्या स्थिति होगी? क्या प्रशासन और नगर पालिका इसी तरह आंख मूंदे बैठी रहेगी? जनता मांग कर रही है कि नगर में जलनिकासी व्यवस्था को लेकर गंभीर और ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की समस्याओं से लोगों को दो-चार न होना पड़े। वरना हर बारिश आफत बनकर आती रहेगी।

सुजानगंज पुलिस एवं एसओजी टीम ने गैंगेस्टर एक्ट में वांछित दो को किया गिरफ्तार

सुजानगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना सुजानगंज पुलिस एवं एसओजी टीम द्वारा संयुक्त रुप से कार्यवाही करते हुए गैंगेस्टर एक्ट में वांछित 02 आरोपीगण गुल्लू व बबलू को गिरफ्तार किया गया। थाना

सुजानगंज पुलिस टीम द्वारा द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-181/2025 धारा 3(1) गैंगेस्टर एक्ट थाना सुजानगंज जौनपुर में वांछित आरोपीगण 1. गुल्लू पुत्र सुरेन्द्र नट निवासी ग्राम चौरी थाना जलालपुर जनपद जौनपुर उम्र करीब 40 वर्ष, 2. बबलू पुत्र टुडी निवासी ग्राम मझगवाँ कला थाना जलालपुर जनपद जौनपुर उम्र 48 वर्ष को मुखबिर की सूचना पर दिनांक 16.07.2025 को बराई मोड़ से गिरफ्तार किया गया। बाद आवश्यक कार्यवाही आरोपीगण को न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

सरायख्वाजा पुलिस टीम ने नाबालिग का अपहरण करने वाले एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम ने नाबालिग का अपहरण करने वाले वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार। घटना का संक्षिप्त विवरणः दिनांक 05/07/2025 को मुकदमा वादिनी द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया कि वादी की पुत्री को आरोपी मोनू पुत्र हिरा गौतम निवासी औरही थाना सरायख्वाजा जौनपुर कही भगा कर ले गया है। जिसके सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर मु0अ0स0 419/25 धारा 137(2),87 बीएनएस पंजीकृत किया गया।

विवेचना के क्रम में धारा 324(4),333,76 बीएनएस व 7/8 पाक्सो एक्ट का अपराध होना भी पाया गया, मुकदमा उपरोक्त धारा की बढ़ोत्तरी की गई।

पीयू के प्रभात उपाध्याय का भारतीय सूचना सेवा में चयन

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के शोधार्थी है प्रभात

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जनसंचार विभाग के शोधार्थी प्रभात कुमार उपाध्याय के भारतीय सूचना सेवा में चयन पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह समेत विभाग के शिक्षकों ने बधाई दी है। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत

है। जनपद के बख्शा विकास खंड स्थित दरियावगंज गांव के मूल निवासी प्रभात कुमार उपाध्याय ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल पर एक नया कीर्तिमान रचते हुए संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली की प्रतिष्ठित भारतीय सूचना सेवा (IIS) में चयनित होकर परिवार, क्षेत्र, तथा पूर्वांचल का नाम रोशन किया है। प्रभात उपाध्याय ने इंडियन एक्सप्रेस, एनडीटीवी, न्यूज 18, प्रसार भारती जैसे देश के अग्रणी मीडिया संस्थानों में अपनी सेवा से विशिष्ट पहचान बनाई है। प्रभात उपाध्याय ने संकायाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र के निर्देशन में अपनी शोध यात्रा को सार्थक दिशा दी। कुलसचिव डॉ.विनोद कुमार सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. सुनील कुमार, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. चंदन सिंह एवं पंकज सिंह ने इस उपलब्धि पर प्रभात को बधाई दी है।

जिले का नाम बदलने के लिए उपमुख्यमंत्री को ज्ञापन

जौनपुर जिले का नाम यमदग्निपुरम होः डॉ. अतुल

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के ढेमा गाव निवासी अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष डॉ अतुल कुमार दुबे के नेतृत्व में लखनऊ में उपमुख्यमंत्री के आवास पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति में जिले

का नाम बदलने को लेकर ज्ञापन सौपा गया। आपको बता दें कि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को संगठन की जिले की टीम द्वारा माल्यार्पण कर भगवान श्री परशुराम की प्रतिमा भेंट करते हुए भगवान परशुराम का फरसा भेंट किया गया वहीं संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व राज्य मंत्री डॉ के सी पाण्डेय के नेतृत्व में यह मांग उठाई गई वहीं जिला अध्यक्ष डॉ. अतुल कुमार दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि लगातार पत्रक के माध्यम से जिले का नाम बदलने के लिए उनके द्वारा गुहार लगाई जा रही है वहीं ब्राह्मण समाज में घटित समस्याओं को लेकर भी चर्चा हुई इस मौके पर जिला पदाधिकारी सुरेंद्र नाथ तिवारी प्राचार्य, नागेंद्र मिश्र वशिष्ठ एवं महराजगंज ब्लॉक अध्यक्ष श्याम मिश्र उपस्थित रहे।

कच्चे मकान की दीवार गिरने से दो सगे भाइयों की मौत

धान की नर्सरी लेकर खेत में जा रहे थे दोनों भाई

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जिले के चोलापुर थाना क्षेत्र के भैठोली गांव में बुधवार सुबह कच्चे मकान की दीवार गिरने से मलबे में दबकर दो सगे भाइयों की मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। घरवालों का रो- रोकर बुरा हाल है। दोनों भाई धान की नर्सरी लेकर खेत में जा रहे थे। इसी दौरान हादसा हुआ। भैठोली ग्राम निवासी आदित्य गौतम (18) व अंकित गौतम (16) पुत्र संतोष कुमार बुधवार की सुबह बाइक से घर से धान की नर्सरी लगाने के लिए खेत में जा रहे थे। घर से लगभग 300 मीटर दूर दिलीप कुमार के कच्चे मकान की दीवार भरभरा कर उनके ऊपर गिर पड़ी।

दीवार गिरने से दोनों भाइयों की दबकर मौके पर मौत हो गई। अचानक हुई घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। चार भाई एक बहन में आदित्य सबसे बड़ा इंटरमीडिएट का छात्र तथा अंकित दूसरे नंबर पर हाईस्कूल का छात्र था। दो और छोटे भाई मोनू (09) तथा अंश (06) तथा एक बहन आनंदी है। पिता संतोष कुमार पोस्टमैन के पद पर नदेसर पर कार्यरत हैं। घटना से माता नीलम देवी समेत परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझा बुझाकर शव का पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल परिजनों की तरफ से किसी के विरुद्ध कोई प्रार्थना पत्र नहीं दिया गया है।

लालपुर, पांडेयपुर में थाना प्रभारी ने निकाली पैदल गश्त, सघन चेकिंग अभियान से मची हलचल

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों और सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के उद्देश्य से मंगलवार को लालपुर-पांडेयपुर थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।

इस दौरान पुलिस बल ने क्षेत्र में पैदल गश्त कर आमजन में विश्वास और असामाजिक तत्वों में डर का वातावरण बनाया। सुबह से ही पुलिसकर्मी क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों जैसे कि चौराहों, बाजारों, बस स्टैंड और स्कूल के आसपास तैनात दिखे। पैदल गश्त के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई। वहीं दोपहिया और चारपहिया वाहनों की भी सघन जांच की गई। इस चेकिंग के दौरान कई बाइकों के कागजातों की भी जांच की गई और नियमों के उल्लंघन पर चालान भी काटे गए।

थाना प्रभारी ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि चेकिंग अभियान और पैदल गश्त का उद्देश्य

क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश लगाना, पुलिस की उपस्थिति का एहसास कराना और आम नागरिकों को सुरक्षित महसूस कराना है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस की इस सक्रियता से अपराधियों में डर और आम जनता में भरोसा बढ़ा है। पुलिस ने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। थाना प्रभारी ने यह भी स्पष्ट किया कि क्षेत्र की शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस हर स्तर पर सख्त कार्रवाई करने को तैयार है।

अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मृत्यु, परिजनों ने अस्पताल में की तोड़फोड़, चिकित्सक मौके से फरार

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। रॉबर्ट्सगंज कस्बे के पंचशील अस्पताल में एक महिला मरीज की मौत के बाद बुधवार को जमकर हंगामा हुआ। गुस्साए परिजनों ने

इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में तोड़फोड़ की, जिसके बाद अस्पताल प्रशासन और डॉक्टर मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, महिला को इलाज के लिए पंचशील अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल ने उन्हें मरीज की स्थिति के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दी,जब परिजन अंदर गए ।तो उन्हें पता चला कि महिला की मौत हो चुकी थी। परिजनों का कहना है कि डॉक्टर मौत की बात छिपाकर महिला को रेफर करने की तैयारी में थे। ताकि अपनी लापरवाही पर पर्दा डाल सकें।महिला की मौत की खबर सुनते ही परिजन आक्रोशित हो गए और उन्होंने अस्पताल में तोड़फोड़ शुरू कर दी। स्थिति बिगड़ती देख अस्पताल का स्टाफ और डॉक्टर मौके से भाग निकले।

घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी), क्षेत्राधिकारी (सीओ) सिटी, क्षेत्राधिकारी (सीओ) सदर और भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया और परिजनों को शांत कराया।

फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और अस्पताल प्रशासन व फरार डॉक्टरों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की बात कह रही है। इस घटना ने एक बार फिर निजी अस्पतालों में इलाज में लापरवाही और जवाबदेही के मुद्दे को उजागर किया है।

200 से अधिक लेप्रोस्कोपिक सर्जरी पूर्ण होने पर नेशनल हॉस्पिटल टीम ने डॉ .पूजा का किया सम्मान

संदीप कुमार सोनी

रीवा(उत्तरशक्ति)।चिकित्सा सेवाओं के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण में, नेशनल हॉस्पिटल, रीवा में 200

से अधिक लेप्रोस्कोपिक सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी होने के उपलक्ष्य में डॉ. पूजा गंगवार के नेतृत्व में एक विशेष उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अस्पताल टीम ने डॉ. पूजा मैम के योगदान को सम्मानित करते हुए केक काटकर यह उपलब्धि मनाई। इस उत्सव में डॉ. अखिलेश पटेल, डॉ.उमेश प्रताप सिंह, डॉ. रेनू सहित ओटी स्टाफ, ड्यूटी डॉक्टर एवं अन्य टीम सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने इस पल को उत्साहपूर्वक साझा किया और डॉ. पूजा को उनके समर्पण और निरंतर प्रयासों के लिए बधाई दी।

डॉ. अखिलेश पटेल, निदेशक नेशनल हॉस्पिटल, ने इस अवसर पर कहा यह न केवल डॉ. पूजा मैम की व्यक्तिगत उपलब्धि है।बल्कि पूरे रीवा क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है कि यहां उच्च स्तरीय लेप्रोस्कोपिक सर्जरी की सुविधा निरंतर और सफलता पूर्वक संचालित हो रही है। नेशनल हॉस्पिटल, रीवा हमेशा से अत्याधुनिक तकनीक और अनुभवी चिकित्सकों के समर्पण के साथ क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं में अग्रणी रहा है। इस उपलब्धि से अस्पताल की गुणवत्ता और सेवा प्रतिबद्धता को और अधिक बल मिला है।

जिलाधिकारी ने पात्र एवं 70 वर्ष से अधिक की आयु के सभी मीडिया प्रतिनिधियों के आयुष्मान कार्ड बनवाने का दिया निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र तथा पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ की उपस्थिति में जिला स्तरीय स्थायी समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में मीडिया प्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के मध्य सौहार्दपूर्ण सम्बन्धों का निर्वहन, प्रेस की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाए रखने के उद्देश्य से मान्यता प्राप्त पत्रकारों के विचार, शासन-प्रशासन द्वारा संचालित योजनाओं का आम जनमानस में प्रचार प्रसार, मान्यता प्राप्त पत्रकारों के हेल्थ कार्ड, पत्रकारों को पेंशन सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई।

जिलाधिकारी द्वारा पात्र मीडिया प्रतिनिधियों तथा 70 वर्ष से अधिक की आयु के सभी मीडिया प्रतिनिधियों के आयुष्मान कार्ड

बनवाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने समस्त पत्रकार बंधुओ को कहा कि सकारात्मक तथा नकारात्मक खबरों के प्रकाशन से पूर्व संबंधित अधिकारी के वर्जन/पक्ष अवश्य लिए जाएं। जिससे खबर की सत्यता प्रमाणित हो सके। समिति के सदस्यों द्वारा जिलाधिकारी के समक्ष अमान्य पत्रकारों के संदर्भ में अवगत कराया गया। जिसपर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा समिति के सदस्यों को आश्वस्त किया गया कि इस प्रकार के प्रकरण पाए जाने पर उक्त पत्रकार की नियमानुसार जांच करायी जायेगी तथा समिति के अनुमोदन पर यथोचित कार्यवाही भी की जायेगी। बैठक में जिला सूचना अधिकारी सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी से छात्रा ने लगाई गुहार, साहब रास्ता बनवा दे कीचड़ से गुजर कर जाना पड़ता है स्कूल

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले केराकत विकास खण्ड के ग्राम सभा थानागद्दी अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय देवनाथपुर में दक्षिण पट्टी से आवागमन के लिए कई सालों से किचड़ युक्त कच्चा रास्ता है जहाँ से स्कूल के बच्चे होकर आते जाते है और जब अधिक बारिश होती है तो फिसलन और किचड़ के कारण बच्चे स्कूल आना ही बंद कर देते है। पिछले माह ईंट भट्टो के वाहनों नें अवैध खनन से मिट्टी ढोने वाले ट्रैक्टर नें कच्चे रास्ते की हालत और बदतर कर दी। कई बार यह मुद्दा स्थानीय पत्रकारों द्वारा ग्राम पंचायत स्तर से लेकर विडिओ, विधायक और उपजिलाधिकारी तक उठाया गया किन्तु किसी नें रास्ते को ठीक कराने की जहमत नहीं उठाई

और अब पुनः इस बारिश में गत दो दिन पहले एक स्कूल छात्र कच्चे रास्ते पर फिसल कर घायल हो गया। अभिवाहकों नें जिलाधिकारी जौनपुर दिनेश चंद्र से श्रीनाथ विश्वकर्मा के मकान के पीछे से प्रदीप मिश्र के घर तक उक्त मार्ग को सही कराने की गुहार लगाई है। जहाँ एक तरफ स्कूलों में घटती छात्र संख्या के कारण सर्व शिक्षा अभियान और स्कूल चलो अभियान को लेकर सरकार परेशान है वही रास्ता ना होने के वजह से भी अधिकतर छात्र ऐसे सरकारी विद्यालयों में आने से कतरा रहें। कुछ वर्ष पूर्व टूटे हुए खड़ंजे पर चारदीवारी बनवाकर तत्कालीन ग्राम प्रधान द्वारा सरकारी खड़ंजे का ध्वस्तिकरण करते हुए पूरा मार्ग बंद कराकर विद्यालय का संपर्क एक पट्टी से तोड़ दिया गया। अब जर्जर हालत में पड़े मार्ग की सुधि लेने के लिए कोई आगे नहीं आ रहा। एक वर्ष पूर्व इंटरलाकिंग के लिए एक ट्राली ईंट गिरायी गई थी जो धूल फांक रही और मार्ग निर्माण ग्राम प्रधान व सचिव के खींचतान की भेंट चढ़ गया।

अमृत सरोवर के कार्य में मनरेगा मजदूरों का फजीर्वाड़ा आया सामने

सम्बन्धित सचिव, ग्राम रोजगार सेवाक एवं ग्राम प्रधान को नोटिस जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में अमृत सरोवर के कार्य मे मनरेगा मजदूरो का फजीर्वाड़ा सामने आया है। बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया के समक्ष जनसुनवाई के दौरान सोमवार को ग्राम पंचायत टेकारी विकास खण्ड मडियाहूँ में निमाणार्धीन अमृत सरोवर के सम्बन्ध में जे सी बी के माध्यम से कार्य कराये जाने की शिकायत पर खण्ड विकास अधिकारी मडियाहूँ को तत्काल कार्य स्थल पर जाकर जॉच कर आख्या प्रेषित करने का निर्देश दिया गया। जॉच निरीक्षण में शिकायतकर्ता की शिकायत को सही पाते हुए निर्गत

मस्टर रोल को शून्य कराते हुए सम्बन्धित सचिव, ग्राम रोजगार सेवाक एवं ग्राम प्रधान को नोटिस जारी किया गया। उक्त के अतिरिक्त विकास खण्ड रामनगर के ग्राम पंचायत भरहूपुर में मेड़बन्दी से सम्बन्धित दोपरियोजनाओ में निर्गत मस्टर रोल में 57 मजदूरों कर उल्लेख था जनसुनवाई में शिकायत प्राप्त हुए कि कार्य नहीं हुआ है जिस पर तत्काल खण्ड विकास अधिकारी रामनगर से जॉच करायी गयी। शिकायत सही पाये जाने पर निर्गत मस्टर रोल को शून्य कराते हुए सम्बन्धित ग्राम विकास अधिकारी एवं ग्राम प्रधान को इस सम्बन्ध में नोटिस जारी किया गया।

विश्व युवा कौशल दिवस पर प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया गया आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर हुनरमंदों द्वारा लगाये गए स्टॉल में उनके द्वारा बनाये गए उत्पादों को देखकर अब विश्वास हो गया है कि प्रधानमंत्री का विकसित भारत का सपना जरूर पूरा होगा। उक्त बातें मंगलवार को राजकीय आईटीआई परिसर शाहगंज में आयोजित विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर लगाई गई प्रदर्शनी व सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुई खुटहन ब्लाक प्रमुख बृजेश यादव ने बतौर मुख्य अतिथि कहीं। उन्होंने कहा कि पहले जिन टेक्निकल जानकारी को सीखने के लिए बच्चो को बाहर जाना पड़ता था, वह अब उनके जनपद में ही सिखाई जा रही हैं।जिसका ट्रेनिंग के बाद युवा आत्मनिर्भर बन रहे हैं। जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन मनीष पॉल ने बताया कि कौशल दिवस का आयोजन प्रतिवर्ष 15 जुलाई को किया जाता है। आज जिन

बच्चों ने स्टॉल लगाकर अपने उत्पादों को यहां पर रखा है, निश्चित ही वे सराहनीय हैं। भविष्य में हमे जून माह से ही कौशल दिवस के आयोजन की तैयारी शुरू कर देनी चाहिये। इस अवसर पर जनपद में कौशल विकास मिशन के प्रशिक्षण प्रदाता के रूप में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो ट्रेनिंग पार्टनर उद्योग विकास संस्थान व हाइजेनबर्ग अपेरल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कौशल विकास मिशन व आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त कर सफल रूप से रोजगार से जुड़े युवाओ को स्किल यूथ आइकॉन सम्मान से दिया गया। इस अवसर पर छात्राओ ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कौशल विकास मिशन के एमआईएस मैनेजर अनूप पांडेय, डीडीयूजीकेवाई के जिला प्रबन्धक प्रभात पांडेय, प्रशिक्षण प्रदाता उद्योग विकास संस्थान के राजीव पाठक, आईटीआई स्टाफ सभाजीत यादव, सौरभ कुशवाहा, अमित श्रीवास्तव सहित छात्र छात्राए व युवा उपस्थित रहे।

विरार पश्चिम में सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन

विरार। विरार पश्चिम के बोलिंग फायर स्टेशन के सामने स्थित म्हाडा ग्राउंड में जिला स्तरीय अंतर-विद्यालय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 का भव्य शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता का आयोजन खेल एवं युवा कार्य निदेशालय महाराष्ट्र, वसई विरार नगर निगम तथा जिला क्रीड़ा परिषद पालघर के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन वसई की लोकप्रिय विधायक स्नेहा दुबे पंडित और पालघर लोकसभा सांसद डॉ. हेमंत सावरा के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर विधायक पंडित ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, ₹खेल ही असली ताकत हैं। यह युवा शक्ति की पहचान हैं और खेल से अनुशासन, टीम भावना तथा नेतृत्व कौशल विकसित होता है। उद्घाटन समारोह में कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें पूर्व महापौर राजीव पाटिल, भाजपा वसई विरार शहर जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील, नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त संजय हेरवाड़े, उपायुक्त दीपक जिंजाद, संयुक्त आयुक्त विक्टर डिसूजा, जिला क्रीड़ा अधिकारी सुहास वनमाने, क्रीड़ा प्रमुख योगेश चौधरी तथा जिला क्रीड़ा सलाहकार गोविंद शिंदे शामिल थे। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों की टीमें, खिलाड़ी, छात्र और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन ने न केवल युवाओं में उत्साह का संचार किया, बल्कि खेलों के प्रति उनके समर्पण, अनुशासन और सामूहिक प्रयासों को भी उजागर किया।

राहत शिविरों में उम्मीद की लौ, प्रशासन की तत्परता से राहत की सांस

-सुरेश गांधी

वाराणसी. बरसात के इस मौसम में जब गंगा और वरुणा की धाराएं उफान पर हैं, तब काशी के निचले और तटवर्ती इलाकों में बाढ़ का खतरा सिर पर मंडरा रहा है। संकट की इस घड़ी में जिला प्रशासन ने राहत व पुनर्वास कार्यों को लेकर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बुधवार को जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने अपर पुलिस आयुक्त शिवहरी मीना के साथ चिरईगांव विधानसभा क्षेत्र के सलारपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय में संचालित राहत शिविर एवं बाढ़ चौकी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने न केवल मौके पर मौजूद अधिकारियों से आवश्यक जानकारियां प्राप्त कीं, बल्कि शिविर में शरण लिए हुए लोगों से भी सीधे संवाद किया। उनकी आवश्यकताओं, समस्याओं और अनुभवों को ध्यानपूर्वक सुना और समाधान का भरोसा दिलाया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने हाईजेनिक किचन, शौचालय, एलपीजी गैस कनेक्शन, नियमानुसार भोजन, टेंट, बिजली की सुरक्षा, सफाई व्यवस्था, चिकित्सकों की नियमित तैनाती और बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने का निर्देश

नायब तहसीलदार को दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, ह्लबाढ़ प्रभावितों की सेवा केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मानवीय दायित्व भी है। शिविरों में रह रहे किसी भी व्यक्ति को भोजन, स्वास्थ्य, स्वच्छता या सुरक्षा से जुड़ी कोई कमी न महसूस हो, यह हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। संक्रमण और बीमारियों की रोकथाम के लिए जिलाधिकारी ने फॉगिंग और चूने के नियमित छिड़काव के आदेश भी दिए। उन्होंने मौके पर मौजूद एसडीएम, तहसीलदार और संबंधित थाना प्रभारियों को हर स्थिति में चौकसी बरतने को कहा। एसडीएम सदर अमित कुमार ने जिलाधिकारी को जानकारी दी कि जनपद में वर्तमान समय में कुल 46 राहत शिविर संचालित किए गए हैं : 27 शिविर नगरीय क्षेत्र में, 10 शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में, 06 शिविर राजातालाब तहसील में, 03 शिविर पिंडरा तहसील में. इस दौरान जिलाधिकारी ने वरुणा नदी के किनारे स्थित बस्तियों को सबसे संवेदनशील क्षेत्र बताते हुए विशेष निगरानी और अलर्ट मोड में रहने के निर्देश भी दिए।

जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने स्पष्ट किया कि सदर और राजातालाब तहसीलें बाढ़ के लिहाज से अति संवेदनशील हैं, ऐसे में यहां किसी भी स्थिति के लिए पूरी तैयारियों के साथ चौकसी जरूरी है। उन्होंने जलकल, स्वास्थ्य, नगर निगम, विद्युत, आपदा प्रबंधन, पुलिस और राजस्व सहित सभी विभागों को 24 घंटे फील्ड में मौजूद रहने का निर्देश दिया। बाढ़ राहत शिविर केवल छत और भोजन की व्यवस्था नहीं होते, बल्कि वहां विस्थापित लोगों की उम्मीदें, बच्चों की मुस्कान और बुजुर्गों की दुआएं भी आश्रय पाती हैं। जिलाधिकारी का यह दौरा प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि पीड़ितों की पीड़ा को समझने और उन्हें राहत देने की एक गंभीर पहल थी। बाढ़ की विभीषिका केवल जलभराव नहीं, वह सामाजिक, आर्थिक और मानसिक संकट भी लाती है। काशी जैसे ऐतिहासिक और धार्मिक नगर में जब घाट जलमग्न होते हैं, तो तीर्थ, पर्यटन और जनजीवन सब कुछ प्रभावित होता है। ऐसे में यह जरूरी है कि प्रशासनिक व्यवस्था सिर्फ निदेशों और फाइलों तक सीमित न रहे, बल्कि हर राहत शिविर और बाढ़ प्रभावित गली में उसका वास्तविक असर दिखाई दे। जिलाधिकारी का निरीक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक पहल है, लेकिन इसकी निरंतरता ही असली परीक्षा होगी। राहत शिविरों में व्यवस्था हो या विस्थापितों की मदद, शासन और समाज दोनों को इस आपदा को सहयोग और सहानुभूति से ही हराना होगा। सलारपुर राहत शिविर में रह रहे 70 वर्षीय रामऔतार यादव कहते हैं, पिछले तीन दिनों से गंगा का पानी खेत और घर में भर गया। प्रशासन ने हमें समय से यहाँ लाकर छाया दी, लेकिन अब भी बच्चों के लिए दूध और दवाइयों की जरूरत है। अधिकारी आते हैं, सुनते हैं, पर जल्द कार्रवाई हो यही आस है। शिविर में मौजूद रेखा देवी, जिनका घर पूरी तरह डूब गया है, ने कहा ह्लहम औरतों के लिए शौचालय की व्यवस्था थोड़ी कमजोर है, लेकिन सफाईकर्मी अब रोज आ रहे हैं। खाने में आज खिचड़ी मिली थी, कल पूड़ी-सब्जी थी।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में वसई-विरार विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न

वसई रोड। वसई-विरार नगर निगम क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर आज, बुधवार, 16 जुलाई 2025 को विधान भवन में माननीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वसई-विरार के सभी विकास कार्यों की व्यापक समीक्षा की गई तथा इन परियोजनाओं के शीघ्र शुभारंभ और पूर्णता के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने वसई-विरार नगर निगम को पालघर जिले के सभी जिला परिषद विद्यालयों के साथ-साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उप-केंद्र निःशुल्क हस्तांतरित करने की घोषणा की। इसके अतिरिक्त, विधायक राजन नाइक की मांग पर नगर निगम को आगामी पाँच वर्षों के लिए 80% सरकारी अनुदान प्रदान करने तथा अर्ध-चिकित्सा कर्मचारियों को सेवा में बनाए रखने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में नालासोपारा और अचोले में सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के लिए भूमि हस्तांतरण प्रस्ताव जल्द कैबिनेट के समक्ष पेश करने पर सहमति बनी। इसके साथ ही, नगर निगम के तहत बन रहे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मजीठिया थिएटर, विराट नगर वार्ड कार्यालय, नारंगी फ्लाईओवर, और गोकुल टाउनशिप के सांस्कृतिक भवन जैसे लगभग पूर्ण परियोजनाओं को तत्काल पूरा करने और उद्घाटन की अनुमति भी दी गई। मुख्यमंत्री ने चार रेलवे ओवर ब्रिज, राजमार्ग से जोड़ने वाली सड़कों की कंक्रीटिंग, नालासोपारा में SATIS परियोजना, और रिंग रूट सहित अन्य परियोजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन के निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों को आश्वस्त किया कि वसई-विरार के विकास हेतु आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी और किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। इस अवसर पर शहरी विकास मंत्री माधुरी मिसाल, पालघर लोकसभा सांसद डॉ. हेमंत सवारा, विधायक राजन नाइक, विधायक स्नेहा दुबे एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बाबा कुंज में आयोजित श्रीमद भागवत कथा में पहुंचे कृपाशंकर सिंह

जौनपुर। बदलापुर के पूर्व विधायक बाबा दुबे के आवास बाबा कुंज में आयोजित सप्त दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के पांचवे दिन मंगलवार की शाम कथा व्यास आचार्य पं. राघवेन्द्र शास्त्री ने श्रीमद भागवत कथा के दौरान भगवान श्री कृष्ण के जन्म की कथा सुनाई। जिसे सुनकर सभी श्रोता भक्ति में लीन हो गए।जिसमें उन्होंने श्री कृष्ण से संस्कार की सीख लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण स्वयं जानते थे कि वह परमात्मा हैं। उसके बाद भी वह अपने माता पिता के चरणों को प्रणाम करने में कभी संकोच नहीं करते थे।श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से भागवत व्यास प्रेम नारायण जी ने पहले धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष की महत्ता पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने कहा कि जब-जब धरा पर अत्याचार, दुराचार, पापाचार बढ़ा है, तब-तब प्रभु का अवतार हुआ है।प्रभु का अवतार अत्याचार को समाप्त करने और धर्म की स्थापना के लिए होता है। जब धरा पर मथुरा के राजा कंस के अत्याचार अत्यधिक बढ़ गए, तब धरती की करुण पुकार सुनकर श्री हरि विष्णु ने देवकी माता के अष्टम पुत्र के रूप में भगवान श्री कृष्ण ने जन्म लिया। इसी प्रकार त्रेता युग में लंकापति रावण के अत्याचारों से जब धरा डोलने लगी तब मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने जन्म लिया, ऐसे तमाम प्रसंग श्रोताओं को सुनाएं, जिसे सुनकर उपस्थित श्रोता भक्ति भाव में तल्लीन हो गए। गोपियों के घर से केवल माखन चुराया अर्थात सार तत्व को ग्रहण किया और असार को छोड़ दिया।प्रभु हमें समझाना चाहते हैं कि सृष्टि का सार तत्व परमात्मा है। इसलिए असार यानी संसार के नश्वर भोग पदार्थों की प्राप्ति में अपने समय, साधन और सामर्थ को अपव्यय करने की जगह हमें अपने अंदर स्थित परमात्मा को प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए। इसी से जीवन का कल्याण संभव है। भागवत कथा के दौरान मुख्य यजमान बदलापुर के प्रथम विधायक ओमप्रकाश 'बाबा दुबे', जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी व महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, भाजपा प्रवक्ता उत्तर प्रदेश ओमप्रकाश सिंह पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्याम राज सिंह ,प्रेम प्रकाश दुबे,पूर्व राज्य मंत्री अरुण दुबे, अखिल मिश्र ,सभाजीत तिवारी, डॉ. अशोक मिश्र, नीरज शुक्ला, उमा पाण्डेय, रमेश मिश्र , पुनीत तिवारी, हिमांशु मिश्र वागीश तिवारी सहित अन्य लोग शामिल रहे।

रक्तदान शिविर का आयोजन संघर्ष नगर, चांदीवली

मुंबई। विश्व रक्तदान दिवस के शुभ अवसर पर संघर्ष नगर, चांदीवली, मुंबई में एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर अध्यात्मिक सत्संग भवन में स्वर्गीय लालजी गुप्ता के विचार एवं बृहन्मुंबई महानगरपालिका राजावाड़ी रुग्णालय, घाटकोपर के प्रयासों से संपन्न हुआ। इस रक्तदान शिविर में कुल 45 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर का उद्घाटन श्री पवन त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष, सिद्धिविनायक मंदिर द्वारा किया गया। इस अवसर पर चांदीवली विधानसभा के विधायक दिलीप (मामा) लांडे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र और रक्तदान कार्ड वितरित किए। विशेष रूप से उल्लेखनीय योगदान सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) का रहा, जिन्होंने अब तक 47 बार से भी अधिक बार रक्तदान कर मानव सेवा में मिसाल पेश की है। उनके साथ-साथ संघर्ष नगर के कई अन्य लोगों ने भी रक्तदान कर इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभाई। इस आयोजन के प्रमुख संयोजक रहे जितेंद्र गुप्ता, मुकेश गुप्ता, सुमित वर्मा, डॉ. रविंद्र मास्के, अरमान शेख तथा संघर्ष नगर के अनेक नागरिकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा, रक्तदान महादान है। यह एक ऐसा दान है जिसमें न जाति पूछी जाती है, न धर्म - केवल इंसानियत की सेवा होती है।

समाजवादी मजदूर सभा सरकारी विद्यालयों के मर्जर के विरोध में

भाजपा पीडीए समाज को शिक्षा से दूर रखना चाहती हैं : अमित यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी मजदूर सभा द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई जिसमें बीजेपी सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों को बंद करने के निर्णय के विरोध किया गया तथा 22 जुलाई 2025 को जिला मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अमित यादव जी राष्ट्रीय महासचिव समाजवादी मजदूर सभा ने कहा कि पूर्व में सरकारें हर एक कोस पर पाठशाला का निर्माण कराती थी ताकि शिक्षा का स्तर बढ़ सके ।लेकिन वर्तमान की योगी सरकार पाठशाला के बजाय हर एक कोस पर मधुशाला बना रही हैं। भाजपा का उद्देश्य पीडीए समाज को शिक्षा से दूर रखना हैं। ग्रामीण अंचलों में प्राथमिक विद्यालय का दर्जा अत्यंत ऊंचा हैं। गांव में सरकारी विद्यालय विकास मार्ग का मील का पत्थर हैं। ग्रामीणों की भावना जुड़ी हुई हैं। अगर किसी विद्यालय में छात्र कम हैं तो उसका जिम्मेदार सरकार स्वयं हैं। उन कमियों को तलाशना चाहिए जिससे छात्रों का रुझान सरकारी विद्यालयों में बढ़ाया जा सके। आगे यादव ने कहा कि सरकारी विद्यालयों का मर्जर न्यायपूर्ण और तर्कसंगत नहीं हैं इसलिए सरकार को इस निर्णय को वापस लेना चाहिए। राम प्रताप बिंद और विशाल कनौजिया को जिला उपाध्यक्ष मजदूर सभा का बनाया गया। रमाशंकर चौहान को जिला सचिव, सादिक अली को जिला कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया। साहब लाल बिंद को विधानसभा शाहगंज का सचिव मनोनीत किया गया। बैठक की अध्यक्षता मनोज कुमार शर्मा, जिला अध्यक्ष संचालन मंजय कनौजिया ने किया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती सीमा खान राष्ट्रीय सचिव , प्रदीप यादव ,जिला उपाध्यक्ष अखिलेश यादव, जफराबाद विधानसभा अध्यक्ष तौसीफ सिद्दीकी, मेहंदी लाल आदि लोगों उपस्थित रहें।

महाराजगंज जिला बनाओ संघर्ष समिति के कार्यालय पर सत्यदेव प्रसाद सिंह का आगमन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महराजगंज में, आज अनुमंडल अंतर्गत जिला बनाओ संघर्ष समिति के प्रधान कार्यालय पर माननीय पूर्व विधायक सत्यदेव प्रसाद सिंह, का आगमन हुआ। समिति के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। चर्चा के दौरान श्री सिंह ने बताया की महराजगंज जिला बनवाने हेतु सदैव प्रयासरत हूँ, और रहूंगा। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष अमित कुमार सिंह, वरिष्ठ सदस्य अरुण कुमार सिंह, भाजपा जिला प्रवक्ता दिलीप कुमार सिंह, वकील प्रसाद, नवनीत सिंह, आलोक कुमार सिंह, अमन कुमार, प्रिंस कुमार, आदि मौजूद थे।

संस्कृत विद्यालय में हुआ वृक्षारोपण, भामाशाह ने उपलब्ध कराए ट्री गार्ड

चिराना। राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय पुरोहितों की ढाणी के खेल मैदान में विद्यालय परिवार द्वारा अमलतास, अशोक, अर्जुन, जामुन, शीशम, नीम आदि के पौधे लगाए गए तथा प्रधानाचार्य किशोरी लाल सिंघल,आचार्य महाविद्यालय नीमकाथाना के पूर्व प्राचार्य महेश कुमार कल्याण,वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय चक गोपीनाथपुरा की प्राध्यापक सरिता कुमारी, एसएमसी अध्यक्ष बनवारी लाल जांगिड़ के सानिध्य में शाला में अध्यनरत सभी विद्यार्थियों को छायादार, फलदार व फूलदार पौधे वितरित किए गए। इस पौधारोपण कार्यक्रम में उपस्थित इंदिरा प्रियदर्शनी पुरस्कार प्राप्त विद्यालय की छात्रा मोनिका गुर्जर के पिता धूडाराम गुर्जर जो कि राजस्थान परिवहन विभाग में परिचालक पद पर कार्यरत हैं, उनके द्वारा पौधों की रक्षा सुरक्षा के लिए लोहे के ट्री गार्ड उपलब्ध करवाए है । इस दौरान महिपाल कल्याण धुडमल जोया, जगदीश प्रसाद फौजी, मक्खन लाल कल्याण,सुभाष गुर्जर,जोरु राम प्रहलाद राय कल्याण सहित कई ग्रामवासी उपस्थित रहे।यहां के कर्मठ शिक्षक संतोष कुमार कुमावत ने आए हुए भामाशाह एवं ग्रामीण जनों का आभार व्यक्त किया।

गांगी नदी में मिला अर्धनग्न महिला का शव, दो दिन से थी लापता

-मुहम्मद आरिफ

देवगांव,आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। जिले के देवगांव कोतवाली क्षेत्र के कपसेठा गांव स्थित गांगी नदी में बुधवार तड़के उस समय सनसनी फैल गई जब ग्रामीणों ने एक अर्धनग्न महिला का शव पानी में देखा। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी भूपेश पांडेय, कोतवाल विमल प्रकाश राय, फारेंसिक टीम, डॉग स्क्वायड तथा एसओजी की टीम पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान चेवार पूरब बनवासी बस्ती निवासी 37 वर्षीय प्रनिला पत्नी भानु के रूप में हुई है। वह दो दिन पूर्व अपने घर से लापता हो गई थी। बुधवार की सुबह उसका शव गांगी नदी में संदिग्ध अवस्था में पाया गया। महिला के शरीर पर कपड़े पूरी तरह नहीं थे। जिससे घटना में हिंसा या दुर्व्यवहार की आशंका और गहराती है। पुलिस के अनुसार, मृतका का पति भानु घटना के बाद से फरार है, जिससे उस पर संदेह गहराया है। कोतवाल विमल प्रकाश राय ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है, लेकिन स्पष्ट कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आ पाएगा।मृतका प्रनिला की दो बेटियां हैं, जिनकी उम्र 5 और 6 वर्ष बताई जा रही है। महिला का मायका जौनपुर जनपद के बर्दिया गांव में स्थित है, जो घटना स्थल से ज्यादा दूर नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही मृतका के ससुर रामलाल पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और पति भानु की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही।

मुख्यमंत्री द्वारा वसई विकास के लिए एक निर्णायक कदम : स्नेहा दुबे

वसई। वसई-विरार क्षेत्र में लंबे समय से लंबित शहरी समस्याओं पर निरंतर ध्यान देते हुए, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से एक विशेष बैठक की अपील किया गया था। उस मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए, आज बुधवार, 16 जुलाई 2025 को, विधान भवन, मुंबई स्थित कैबिनेट सभागृह में वसई-विरार के विभिन्न मुद्दों पर एक उच्च-स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। जिसमें वसई विरार शहर नगर निगम की सीमा के भीतर जिला परिषद के 116 स्कूलों और 3 स्वास्थ्य केंद्रों और 12 उप-केंद्रों को नगर निगम को हस्तांतरित करने का मुद्दा देवेंद्र फडणवीस के ध्यान में लाया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह मामला पिछले कई वर्षों से लंबित है। उन्होंने यह भी बताया कि ज़िला परिषद से जमीन का मूल्य माँगा जा रहा है। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत ध्यान दिया और इन स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों को मनपा को निःशुल्क हस्तांतरित करने का प्रस्ताव कैबिनेट बैठक से पहले प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। यह मुद्दा उठाया गया कि वसई-विरार में 7 आवश्यक फ़्लाईओवर पुलों और सड़कों के प्रस्ताव कई वर्षों से एमएमआरडीए के पास लंबित हैं, जिससे नागरिकों को असुविधा हो रही है और यातायात जाम की समस्या हो रही है। इन फ़्लाईओवरों में रेंज ऑफि स चौक, वसंत नगरी और एवरशाइन गोखिवारे रोड, मानिकपुर नाका से भबोला नाका शामिल हैं। माननीय मुख्यमंत्री ने उन स्थानों की तुरंत जानकारी प्राप्त करने और इन परियोजनाओं के लिए धन उपलब्ध कराने के आदेश दिए जहाँ 100% भूमि अधिग्रहित हो चुकी है। इस बैठक में माननीय मुख्यमंत्री ने वसई-विरार के नागरिकों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु महत्वपूर्ण निर्णय लिए और तदनुसार कार्रवाई के आदेश दिए।

मांझी- बरौली पथ में रानीबारी गांव के पास चार लाख 49 हजार की लूट, जांच में जुटी पुलिस

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में, बरौली मांझी पथ में दुरौंधा थाना क्षेत्र की रुकुंदीपुर के पास, लुटेरों ने चार पहिया फॉरच्यूनर वाहन को रोक कर वाहन में सवार लोगों से 4 लाख 49 हजार रुपए छीन ली। बताया जाता है कि, एकमा थाना क्षेत्र की रीठ गांव निवासी प्रिंस मिश्रा, अंकुश मिश्रा, की मामी, एवं दिलीप मिश्रा परिवार के साथ सीवान जिले के तरवारा जा रहे थे। बताया जाता है कि दो बाइक पर सवार तीन लुटेरे फॉरच्यूनर गाडी को रोक कर हथियार के बल पर 4 लाख 49 हजार रुपए व महिला के पास के आभूषण लूट लिए . इसकी सूचना दुरौंधा थाना पुलिस को लगी पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में लग गई है।

नवीं मुंबई में समाजसेवक सुभाष यादव का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। नवी मुंबई के प्रतिष्ठित समाजसेवक श्री सुभाष यादव का जन्मदिन इस वर्ष विशेष रूप से हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के ब्लॉक प्रमुख मेहनगर, आजमगढ़ डॉ. कैलाश यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने केक काटकर सुभाष यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उन्हें समाजसेवा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए आशीर्वाद भी प्रदान किया।

समारोह में विशेष रूप से भोला यादव, जितेंद्र यादव, सरवन चौरसिया, अजय यादव, रामप्रीत यादव, राजेंद्र यादव, राय साहब यादव, और धर्मेंद्र यादव सहित सभी ने सुभाष यादव के दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। ब्लॉक प्रमुख डॉ. कैलाश यादव ने अपने संबोधन में कहा कि नवी मुंबई जैसे महानगर में आकर आप लोगों द्वारा जो समाज सेवा की जा रही है, वह अत्यंत सराहनीय और हमारे समाज के लिए गर्व की बात है। आप सभी किसी के दुख-सुख में सहभागी बनते हैं, यह भावना आज के समय में बहुत बड़ी बात है। उन्होंने विशेष रूप से राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव का आभार व्यक्त किया, जिनकी पहल पर यह मुलाकात संभव हो सकी। साथ ही उन्होंने अपने भ्राता सरवन चौरसिया का भी धन्यवाद ज्ञापित किया। सुभाष यादव ने भी अपने उद्बोधन में कहा कि मेरे जन्मदिन के शुभ अवसर पर मुझे आशीर्वाद देने और सम्मानित करने हेतु मैं ब्लॉक प्रमुख डॉ. कैलाश यादव सहित सभी सम्माननीय अतिथियों का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ। यह मेरे लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। इस आयोजन ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि सामाजिक सरोकारों में सक्रिय व्यक्तियों का सम्मान समाज को सकारात्मक दिशा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाए गए 500 पौधे

अयोध्या। एक पेड मॉ के नाम अभियान के तहत मिल्कीपुर विधान सभा में पौधरोपण अभियान चलाया गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित ने पार्टी नेताओं व स्थानीय लोगों के साथ पौधे रोपित किए। विधानसभा क्षेत्र के बिरौली झाम, पूरे वीपत, बहबरमऊ, तिंदौली तथा महर्षि बामदेव तपोस्थली मंदिर वबां में लगभग 500 पौधों का रोपण किया गया। पौधों की सुरक्षा के लिए लोहे की जाली का टी गार्ड लगाया गया। आलोक सिंह रोहित ने कहा कि यह अभियान निरंतर चलाया जाएगा ताकि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़े और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण मिल सके। पीएम मोदी ने एक पेड़ मां के नाम का जो विजन दिया है, वह प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मां के प्रति श्रद्धा और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक है। मां हर व्यक्ति के लिए सबसे प्रिय होती है,और उनके नाम पर एक पेड़ लगाना सौभाग्य की बात है। भाजपा नेता चंद्रबली सिंह ने कहा कि वातावरण को हरा-भरा बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। वृक्षारोपण अभियान में कृपाशंकर मिश्रा, सुनील तिवारी, पारसनाथ शुक्ला, मुन्ना शुक्ला, सुरेंद्र सिंह, दिनेश पाण्डेय, अमरेन्द्र मौर्य, रणधीर सिंह, शिवशंकर शुक्ला, अजय विक्रम सिंह, कुंवर बहादुर मिश्रा सहित पार्टी पदाधिकारी,कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल रहे। सभी ने मिलकर इस अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया।

काशी में घाटों ने ली गंगा समाधि, जलधार में घिरी गलियां, थमीं रफ़्तार

वाराणसी। गंगा मैया की गोद में बसी अविनाशी काशी इन दिनों उनकी ही असीम जलधारा में घिरती जा रही है। सावन में जहां हर साल घाटों पर हर-हर महादेव की गूंज होती थी, इस बार वहीं घाट जल समाधि में डूब चुके हैं। दशाश्वमेध से लेकर अस्सी घाट तक हर पगडंडी जलमग्न है। जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर जा चुका है, और गंगा अब गलियों की ओर कूच कर चुकी है। बाढ़ से प्रभावित इलाकों में एनडीआरएफ और प्रशासन की टीमें लगातार बचाव में जुटी हैं, लेकिन काशी का हृदय, इसके घाट अब पूरी तरह गंगा की लहरों में समा गए हैं। गंगा आरती, जो घाटों की पहचान थी, अब छतों से कराई जा रही है। बता दें, सदियों से गंगा को जीवनदायिनी माना गया है, भारत की आत्मा, संस्कृति और आस्था की प्रतीक। परंतु जब यही गंगा अपनी मयार्दा तोड़ती है, तब वह केवल नदी नहीं, महाशक्ति बनकर प्रहार करती है। इस समय वाराणसी इसी प्रहार के दौर से गुजर रहा है। पिछले कुछ दिनों से गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। काशी में अब घाटों की सीढ़ियां नहीं, पानी की लहरें दिख रही हैं। गंगा का प्रवाह अब शांत नहीं, उग्र है. इतना उग्र कि नमो घाट से लेकर मणिकर्णिका तक सब कुछ डूब रहा है। काशी की आत्मा माने जाने वाले 84 घाटों में अधिकांश पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं। अस्सी घाट, जो युवाओं की रचनात्मकता और जीवन संवाद का केंद्र रहा, अब जलसमाधि में है। हरिश्चंद्र घाट और मणिकर्णिका घाट, जहां अंत और मोक्ष का मिलन होता है, अब अंतिम संस्कार के लिए अनुपयुक्त हो रहे हैं। मणिकर्णिका पर लकड़ी व्यवसायियों ने अपना स्टॉक हटाना शुरू कर दिया है। घाटों की सीढ़ियों पर अब सिर्फ नाममात्र की ऊंचाई बची है, गंगा गलियों की ओर बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से विकसित नमो घाट, जो स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट का प्रतीक था, अब संकट का दृश्य बन चुका है। ह्लनमस्तेह्व आकार में बना विशाल स्कल्पचर अब आधा से ज्यादा जल में डूब चुका है। बाह अब सिर्फ उसकी हथेलियां ही दिख रही है। घाट की हेलीपैड सुविधा और सीढ़ियां अब पानी के घेरे में हैं। प्रशासन ने यहां सेल्फी, स्नान और नीचे जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। गंगा की बाढ़ से वरुणा नदी में पलट प्रवाह शुरू हो चुका है, जिससे हालात और गंभीर हो गए हैं। सरैया, कज्जाकपुरा, कोनिया, शिवपुर, नगवां जैसे इलाके जलभराव से प्रभावित हैं।